● वर्ष-2
● अंक-181
रायपुर, बुधवार
22 मार्च 2023
● पृष्ठ-6
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

samacharpacheesa@gmailÐcom

इन दिनों

कांग्रेस से दूरी, क्षेत्रीय दलों की मजबूरी?

2024 के लोकसभा चुनाव में अब एक साल का वक्त बचा हुआ है। चुनाव को पास आते देख राजनीतिक दल अपनी तैयारियों में जुटे हुए हैं। 2024 का चुनाव काफी दिलचस्प भी माना जा रहा है। बड़ा सवाल यही है कि विपक्ष का प्रधानमंत्री का चेहरा कौन होगा? साथ ही साथ सवाल यह भी है कि क्या कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्ष एकजुट हो पाएगा क्योंकि लगातार कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे विपक्षी एकजुटता के बाद करते रहे हैं। वह समान विचारधारा वाले दलों को एक साथ आने की अपील भी कर चुके हैं। लेकिन हाल में ही पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस के प्रमुख ममता बनर्जी और समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव के बीच एक बड़ी बैठक हुई। इस बैठक के बाद जो सबसे बड़ा संदेश निकल कर सामने आया वह यह था कि कांग्रेस के बिना तीसरे मोर्चे की गठन को लेकर दोनों नेताओं के बीच चर्चा हुई है। इसके बाद ममता बनर्जी कुछ अन्य नेताओं से भी मुलाकात करेंगी। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि आखिर कई क्षेत्रीय दल कांग्रेस और भाजपा से समान दूरी बनाकर क्यों रखना चाहते हैं? सवाल यह भी है कि वह राहुल गांधी को नेता के तौर स्वीकार क्यों नहीं कर पा रहे हैं? भारत जोड़ो यात्रा के बाद कई दलों ने राहुल गांधी और कांग्रेस से लगातार दूरी बना रखी है। उसमें ममता बनर्जी के अलावा टीडीपी, समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, बीजेडी जैसे दल शामिल हैं। दिलचस्प बात यह भी है कि टीएमसी ने हाल में ही कह दिया था कि कांग्रेस को बिग बॉस वाली नीति छोड़नी होगी। टीएमसी की ओर से संसद में जारी गतिरोध पर साफ तौर पर कहा गया था कि कांग्रेस अपनी नीति पर काम कर रही है और हम अपनी नीति पर। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने यह भी कहा था कि भाजपा राहुल गांधी को विपक्ष नेता बनाने पर तुली हुई है ताकि आगामी चुनाव में उसे फायदा हो सके। दिलचस्प बात यह भी है कि जब कांग्रेस ने 15 मार्च को हटाने में मुहे को लेकर संसद से प्रवर्तन निदेशालय तक 1 मार्च निकालने की कोशिश की तो तृणमूल कांग्रेस ने इसमें हिस्सा नहीं लिया। हालांकि, लगातार कांग्रेस के साथ खड़े रहने का दावा करने वाले शरद पवार की पार्टी एनसीपी का भी कोई सांसद इसमें नहीं दिखा। हाल में पश्चिम बंगाल में जो उपचुनाव के नतीजे आए, उसके बाद ममता बनर्जी ने भाजपा कांग्रेस और वामदलों पर गठबंधन करने का आरोप लगा दिया। खबर है कि ममता कई विपक्षी दलों के नेताओं के साथ बैठक करने के लिए इस महीने के आखिर में या अप्रैल के शुरुआत में दिल्ली भी आ रही हैं। खबर तो यह भी है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 18 मार्च को 7 राज्यों के मुख्यमंत्रियों के लिए रात्रि भोज की योजना बनाई थी। हालांकि इसे रद्द कर दिया गया। बताया जा रहा है कि जिन मुख्यमंत्रियों को केजरीवाल ने अपने रात्रि भोजन के लिए आमंत्रित किया था उनमें से कुछ ने 2024 में कांग्रेस के खिलाफ खुद को जाते हुए दिखाना सही नहीं समझा।

रायपुर शहर के 54 तालाब गायब

सरोवरों का नगर था रायपुर, कई पट गए तो कई सुख गए

आशीष सिंह

हर साल विश्व जल दिवस 22 मार्च को मनाया जाता है। सरोवरों के नगर के नाम से प्रसिद्ध रहा मेरा रायपुर इन दिनों जल संकट से दो-चार हो रहा है। जनता के टैक्स से वसूली गई राशि हर साल जल प्रदाय के लिए टैंकरों पर फूंकी जा रही है। टैंकरों से बहते पानी को ही बचा लिया जाए तो हम पर बड़ा उपकार होगा। पिछले दो-तीन माह के दौरान %हर घर नल% के लिए पाइप बिछाई गई, कई इलाकों में अभी भी यह प्रक्रिया जारी है। शहर धूल से अटा पड़ा है। मुख्य पाइप से घरों तक शुद्ध जल पहुंचाने के लिए पाइप लगा कर छोड़ दिया गया है। नल से उसे जोड़ने का काम कम से कम मेरे मुहल्ले में तो शुरु नहीं हुआ है, जिसका परिणाम है रोज हजारों लीटर पानी या तो नालियों में बह रहा है या सड़कों पर।

जल संरक्षण और भूगर्भीय जल स्रोतों को रिचार्ज करने के लिए तालाब सबसे अधिक कारगर माने गए हैं। इसे हमारे अनपढ़-अशिक्षित पूर्वज जानते थे।

रायपुर के सरोवरों का निर्माण वैज्ञानिक पध्दति से हुआ है। बूढ़ा तालाब व बंधवा के ओवर फ्लो का खरून नदी में मिलना उस तकनीक का नमूना है। वैध-अवैध बेतरतीब निर्माणों ने तालाबों के अंतर्संबंधों, नहरों और जल आवक रास्तों को बाधित कर दिया, बूढ़ा तालाब पहले इस तरह अन्य तालाबों से जुड़ा था कि इसमें पानी लबालब होते ही महाराजबंध तालाब में पानी जाने लगता था और उसके आगे अन्य किसी में। शहर के इतिहास की जानकारी रखने वाले जानते हैं कि रजबंधा तालाब का फैलाव 7.975 हेक्टेयर था, आज वहां चौरस मैदान है। रजबंधा की छाती का पानी सूख गया, उसके सीने पर लोहे की छड़े गाड़ दी गईं, सीमेंट-ईंट के जंगल खड़े कर दिए गए। 6 हेक्टेयर से ज्यादा बड़े सरजूबंधा को पुलिस लाइन लील गया और डेढ़ हेक्टेयर से भी विशाल खंतो तालाब पर शक्तिनगर बस गया। पचारी, नया तालाब और गोगांव ताल को उद्योग विभाग के हवाले कर दिया गया तो ढाबा तालाब (कोटा) और डबरी तालाब (खम्हारडीह) पर कब्जे हो गए। क्या आप मानेंगे कि सन् 1929-30 के राजस्व रिकार्ड में इसका रकबा 35 एकड़ था?

विश्व जल दिवस

इस वर्ष के जल दिवस की थीम अक्सेलरेटिंग चेंज है। 1992 में ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में आयोजित पर्यावरण और विकास सम्मेलन में विश्व जल दिवस मानए जाने की पहल हुई थी।

हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल हुई थी

साल 2018 में सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर प्रदीप यदु ने रायपुर शहर के तालाबों के गायब होने के मामले में हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की थी। जिसमें बताया गया था कि रायपुर शहर के अंदर से 54 तालाब गायब हो गए हैं। इस संबंध में वन एवं अनुसंधान संस्था ने शहर के तालाबों की स्थिति पर सर्वे कर अपनी रिपोर्ट भी दी। संस्था की रिपोर्ट में ही 54 तालाबों के गायब होने का विवरण दर्ज है।

सरजू बांधा तालाब, मठपुरैना-1.174 पट चुका
जोगी डबरी, मठपुरैना-0.182 सूख गया
कालारीन तालाब, रायपुरा-0.121 सूख गया
कोटा डबरी, रायपुरा-पट चुका
छोटे कोट डबरी, रायपुरा-सूख गया
नया तालाब, अटारी-सूख गया
भुकुडिया तालाब, जरवाय हीरापुर 0.571 हेक्टेयर-सूख गया
दर्री तालाब, गोगांव-0.870 हेक्टेयर-सूख गया
बिच्छी तालाब, गोगांव, 0.502 हेक्टेयर-सूख गया
कोठारी तालाब, सड्डू-0.320 हेक्टेयर-सूख गया
डबरी तालाब, लाभांडी-0.721 हेक्टेयर-सूख गया
निस्तारी तालाब, लाभांडी-1.424 हेक्टेयर-सूख गया
डबरी तालाब अमलीडीह-2.773 हेक्टेयर-सूख गया
रामबांधा, फुंडहर-0.918 हेक्टेयर-सूख गया
करवला तालाब, चौबे कॉलोनी तालाब, चिरहुलडीह-2.222 हेक्टेयर पट गया
नूनहा तालाब, चिरहुलडीह-0.882 हेक्टेयर-पट गया
ढाबा तालाब, कोटा-0.445 हेक्टेयर-पट गया
पैटू तालाब, पंडरी तराई-2.387 हेक्टेयर-पट गया
डोडगी तालाब, पंडरी तराई-0.154 हेक्टेयर-पट गया
मठैया तालाब, शंकर नगर-0.599 हेक्टेयर-पट गया
डबरी तालाब, शंकर नगर-0.299 हेक्टेयर पट चुका है
नया तालाब, शंकर नगर-1.214 हेक्टेयर दलदल में तब्दील
सगर बुढ़िया तालाब, शंकर नगर-0.490 हेक्टेयर मकान बन गए
पचपेढ़ी तालाब, टिकरापारा-1.275 हेक्टेयर दलदल
छुईया डबरी, टिकरापारा-0.870 हेक्टेयर दलदल
नाउन डबरी, टिकरापारा-1.761 हेक्टेयर-पट गया
कारी तालाब, रायपुरा खास-3.141 हेक्टेयर दलदल
गंज डबरी, रायपुर खास, 0.708 हेक्टेयर-पट गया
हांडी लातावा, जोरापारा, 3.157 हेक्टेयर-पट गया
राम सगरी तालाब, रामसागर पारा-1.433 हेक्टेयर-पट गया
रजबंधा से लगा डबरी-2.408 हेक्टेयर-पट गया
रजबंधा तालाब, रायपुर-7.975 हेक्टेयर-पट चुका
लेंडी तालाब, (इसके सीने पर शास्त्री बाजार खड़ा है)-1.696 हेक्टेयर-पट चुका
श्याम टाकीज डबरी, 0.242 हेक्टेयर-स्टेडियम बन गया
तुर्की तालाब, ईदगाह भाटा-0.611 हेक्टेयर दलदल
दर्री तालाब-1.396 हेक्टेयर-सूख गया
बंधवापारा पैटू-0.485 हेक्टेयर दलदल
खदान तालाब-1.777 हेक्टेयर दलदल
पहाड़ी तालाब, गुढियारी-0.809 हेक्टेयर-पट गया
दंतेश्वरी डबरी-1.327 हेक्टेयर-पट गया
गजराज बांधा डबरी-0.024 हेक्टेयर-पट गया
बूढ़ा तालाब पैटू-4.149 हेक्टेयर-पट गया
हनुमान नगर तालाब (आमापारा)-3.497 हेक्टेयर-पट गया
खनती तालाब-1.684 हेक्टेयर-पट गया
जोरा तालाब, जोरा पार-1.716 हेक्टेयर-पट गया
छुहया तालाब, पुरानी बस्ती-1.101 हेक्टेयर-पट गया
बगीचा तालाब-0.765 हेक्टेयर-पट गया
उच्छला तालाब-1.242 हेक्टेयर-पट गया
धोबनीन तालाब-1.882 हेक्टेयर पट गया
पोतदार तालाब-1.202 हेक्टेयर-पट गया
ट्रस्ट तालाब, शंकर नगर-0.793 हेक्टेयर पर रविशंकर गार्डन
पचरी तालाब, गोगांव, उद्योग विभाग को
नया तालाब, गोगांव, 0.012 हेक्टेयर उद्योग विभाग को
तालाब, गोगांव, 0.794 हेक्टेयर उद्योग विभाग को रायपुर

ओपीएस का विरोध करना केन्द्रीय कर्मियों को पड़ेगा महंगा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने अपने सभी कर्मचारियों से पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) से जुड़े किसी भी विरोध प्रदर्शन या हड़ताल में भाग नहीं लेने के लिए कहा है। सरकार ने कर्मियों को चेतावनी दी है कि यदि वे इसमें शामिल होते हैं तो उन्हें परिणाम भुगतने होंगे।

सरकार का यह बयान राष्ट्रीय संयुक्त कार्य परिषद (एनजेसीए) की ओर से पुरानी पेंशन योजना की बहाली के लिए संयुक्त मंच (ओपीएस) के बैनर तले मंगलवार को देश भर में जिला स्तरीय रैलियों के आयोजन की योजना के मद्देनजर आया है।

कार्मिक व प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) की ओर से केंद्र सरकार के सभी विभागों के सचिवों को सोमवार को जारी निर्देशों में सरकारी कर्मचारियों को सामूहिक आकस्मिक अवकाश, गो-स्लो, धरना आदि सहित ऐसे किसी भी प्रकार के हड़ताल में भाग लेने से रोकने की बात कही है जो सीसीएस नियम 1964 के रूल 7 का उल्लंघन करता है। उन्होंने कहा, कर्मचारियों को हड़ताल पर जाने का अधिकार देने वाला कोई वैधानिक प्रावधान नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने भी कई फैसलों में सहमति व्यक्त की है कि हड़ताल पर जाना आचरण नियमों के तहत एक गंभीर कदाचार है और सरकारी कर्मचारियों की ओर से किए गए उल्लंघन को कानून के अनुसार निपटने की आवश्यकता है। इन निर्देशों में कहा गया है कि विरोध प्रदर्शन सहित किसी भी रूप में हड़ताल पर जाने वाले कर्मचारी को परिणाम भुगतने होंगे। उनके खिलाफ वेतन में कटौती के अलावा उचित अनुशासनात्मक कार्रवाई भी हो सकती है। पत्र में सरकार के विभिन्न मंत्रालयों से कहा गया है कि आपके मंत्रालय व विभागों के तहत आने वाले केंद्र सरकार के कर्मचारियों को विभाग की ओर से जारी आचरण नियमों और माननीय सर्वोच्च न्यायालय की ओर से बरकरार रखे गए अन्य नियमों के तहत उपरोक्त निर्देशों के बारे में उपयुक्त रूप से सूचित किया जा सकता है।

हड़ताल के दिन के लिए छुट्टियां मंजूर नहीं करने के निर्देश साथ ही आदेश में प्रस्तावित विरोध व हड़ताल की अवधि के दौरान आवेदन करने वाले कर्मचारियों को आकस्मिक अवकाश या अन्य प्रकार के अवकाश को मंजूरी नहीं देने के निर्देश जारी किए जा सकते हैं।

विश्व वानिकी दिवस!

प्रमुख समाचार

बंटवारे के बाद बचा भारत हिंदू राष्ट्र, मुस्लिमों के पूर्वज भी हिंदू ही थे, बीजेपी नेता का बयान

नई दिल्ली। भाजपा नेता कैलाश विजयवर्गीय ने साफ तौर पर कहा है कि आजादी के समय जो बंटवारा हुआ था, उसके बाद बचा हुआ भारत एक हिंदू राष्ट्र है। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि मुस्लिमों के पूर्वज भी हिंदू ही रहे हैं। इसके लिए उन्होंने अपने एक मुस्लिम दोस्त का जिक्र भी किया। उन्होंने कहा है कि उनका एक मुस्लिम दोस्त है जो हनुमान चालीसा का पाठ करता है और शिव मंदिर में पूजा भी करता है क्योंकि उसके पूर्वज राजपूत थे। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि हमारा देश पहले से ही हिंदू राष्ट्र है। हालांकि, उन्होंने उसकी पहचान उजागर करने से इनकार कर दिया। आपको बता दें कि कैलाश विजयवर्गीय का यह बयान ऐसे समय में आया है। जब कुछ लोग लगातार भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ब्रितानी राज से वर्ष 1947 में आजादी के दौरान धार्मिक आधार पर हुए विभाजन के बाद बचा भारत ''हिंदू राष्ट्र'' ही है। इंदौर में संवाददाताओं से बातचीत में उन्होंने कहा कि जब भारत का विभाजन हुआ, तो इसी मसले (धार्मिक आधार)

मोदी सरकार के खिलाफ दिल्ली में धरना देंगी बंगाल की ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर केंद्रीय योजनाओं में फंड नहीं देने का आरोप लगाया है। इसको लेकर ममता 29 और 30 मार्च को धरना देंगी। मंगवार को ओडिशा रवाना होने से पहले कोलकाता एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए ममता बनर्जी ने ये जानकारी दी। उन्होंने केंद्र सरकार पर पश्चिम बंगाल को केंद्रीय योजनाओं में फंड नहीं देने का आरोप लगाया। ममता ने कहा, इस साल भी बजट में मनरेगा और आवास योजना के लिए एक भी पैसा फंड नहीं दिया गया है। इसके खिलाफ वह खुद मुख्यमंत्री के रूप में 29 मार्च और 30 मार्च को दिल्ली में अंबेडकर की मूर्ति के सामने धरना देंगी। ममता ने कहा कि धरना 29 मार्च को शुरू होगा और 30 मार्च की शाम तक जारी रहेगा। इसके बाद वे फिर आगे की रणनीति की घोषणा करेंगी। पत्रकारों से बातचीत करते ममता बनर्जी ने कहा, मेरा एक ही बात कहना है, इस बजट में भी बंगाल को सौ दिनों के काम में एक पैसा नहीं दिया गया है। केंद्र की ओर से आवास योजना के लिए भी एक भी पैसा नहीं दिया गया।

दयानन्द सरस्वती से प्रेरित हैं मोदी, देश को विश्व गुरु बनाने का कर रहे काम- शाह

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज आर्य समाज के 148वें स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मैं आर्य समाज के लोगों से कहना चाहता हूं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो देश जागरण का काम कर रहे हैं, इसकी मूल कल्पना सभी लोगों ने महर्षि दयानंद के जीवन से ही ली है। उन्होंने कहा कि आर्य समाज की स्थापना कर महर्षि दयानन्द सरस्वती ने वर्षों से सोई हुई देश की आत्मा को जागृत करने का काम किया और वेद व्यास के बाद वेदों को मूल स्वरूप में लाने का काम किया। इसके साथ ही शाह ने कहा कि महर्षि दयानन्द सरस्वती ने देश की सांस्कृतिक और बौद्धिक जागरण की शुरुआत की और अनेक सामाजिक सुधारों के जनक रहे। गृह मंत्री ने कहा कि आजादी के पहले जिस जमाने में स्वराज, स्वभाषा और स्वधर्म के विषय में बोलना भी प्रतिबंध था, उस जमाने में निर्भीकता के साथ महर्षि दयानन्द सरस्वती ने देश में स्वभाषा व स्वधर्म का प्रचार-प्रसार कर अनेक लोगों को जोड़ा।

चुनावी बॉन्ड से जुड़ी याचिकाओं को संविधान पीठ के पास भेजा जा सकता है

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि वह इस बात पर विचार करेगा कि क्या पार्टियों के राजनीतिक चंदे के लिए चुनावी बॉन्ड योजना की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं को आधिकारिक घोषणा के लिए संवैधानिक पीठ के पास भेजा जा सकता है। याचिकाओं को संविधान पीठ के पास भेजा जा सकता है या नहीं, यह तय करने के लिए शीर्ष अदालत की उक्त टिप्पणियां इस मुद्दे पर जनहित याचिका दायर करने वाले एक एनजीओ के दावे को देखते हुए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि अब तक राजनीतिक दलों को चुनावी बॉन्ड के माध्यम से 12,000 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है और इसमें से दो तिहाई राशि एक ही प्रमुख राजनीतिक दल को गई है। याचिकाकर्ता ने कहा है कि आगामी कर्नाटक विधानसभा चुनावों को देखते हुए इस मामले में तेजी से फैसला करने की आवश्यकता है। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा की पीठ ने कहा,

एनसीपी का राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा खतरे में, चुनाव आयोग करेगा समीक्षा

मुंबई। शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा खतरे में है। चुनाव आयोग जल्दी ही एनसीपी के इस दर्जे की समीक्षा करेगा। चुनाव आयोग आज यानी मंगलवार को ही पार्टी के प्रतिनिधियों की बात सुनेगा। राकांपा महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी गठबंधन का हिस्सा है। चार लोकसभा सीटों के अलावा कोई पार्टी लोकसभा में छह फीसदी वोट हासिल करे या विधानसभा चुनावों में कम से कम चार या इससे अधिक राज्यों में छह फीसदी वोट जुटाए। कोई पार्टी चार या इससे अधिक राज्यों में क्षेत्रीय पार्टी के रूप में मान्यता रखे। साल 2019 में एनपीपी को इसी शर्त के आधार पर राष्ट्रीय पार्टी होने का दर्जा मिला था। अब अनुमान है कि गुजरात के नतीजे आने के बाद आम आदमी पार्टी भी इसी शर्त को पूरा कर लेगी। इन शर्तों में जो पार्टी एक भी शर्त पूरा करती है तो उसे राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिलता है। एनपीपी भारत की सबसे नई राष्ट्रीय पार्टी है। इस दल को साल 2019 में राष्ट्रीय दल की मान्यता हासिल की। दिल्ली की राजनीति से शुरुआत करने वाली आम आदमी पार्टी को गुजरात चुनाव के बाद राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिलना लगभग तय हो गया है। आप ने गुजरात में पांच सीटों पर जीत दर्ज की थी।

राहुल गांधी का महत्व बढ़ाती भाजपा

प्रभु चावला

साहित्यकार ऑस्कर वाइल्ड ने कहा था कि अपने बारे में चर्चा होने से अधिक खराब केवल एक ही बात हो सकती है और वह है अपने बारे में चर्चा नहीं होना। भाजपा ऐसे दल के रूप में दिखना चाहती है कि उसकी कथनी और करनी में कोई भेद नहीं है। राहुल गांधी अपनी पार्टी के प्रसार के लिए अपनी यात्रा के बारे में बात करना पसंद करते हैं। कश्मीर से कन्याकुमारी तक की अपनी यात्रा से वे चर्चा में आये और इसका श्रेय भाजपा की आक्रामक राजनीति को है। हाल में लंदन में दिये गये भारतीय लोकतंत्र के खात्मे के बारे में उनके बयान के बाद केसरिया खेमा चीख-चीख कर उन पर राजद्रोह का आरोप लगा रहा है। राहुल गांधी ने लंदन में कहा था कि यह हमारी समस्या (मोदी के अंतर्गत लोकतांत्रिक संस्थाओं का ह्रास) है, यह आंतरिक समस्या है और देश के भीतर से ही इसका समाधान निकलेगा, बाहर से नहीं। आगे उन्होंने कहा कि भारतीय लोकतंत्र वैश्विक हित में है और उसका असर हमारी सीमाओं से परे भी होता है।

अगर इसका पतन होता है, तो धरती पर लोकतंत्र को बड़ा घातक झटका लगेगा। इसलिए, उन्होंने अपने श्रोताओं से कहा, यह उनके लिए भी महत्वपूर्ण है और इससे उन्हें आगाह रहना चाहिए। चर्चा के केंद्र में आने से किसी राजनेता के अहम को सबसे अधिक तुष्टि मिलती है। भले ही राहुल गांधी को देश में गंभीर श्रोता न मिलते हों, पर उन्हें भाषण के लिए लंदन का चयन नहीं करना चाहिए था। जैसी उम्मीद थी, संसद की शुरुआत शोर-शराबे से हुई। आम तौर पर व्यक्ति-आधारित राजनीति से परहेज रखने वाले पुरानी शैली के नेता राजनाथ सिंह पहला शब्द वाण फेंका- 'इस संसद के सदस्य राहुल गांधी ने लंदन में भारत का अपमान किया है। मेरा निवेदन है कि

सभी सदस्य उनके भाषण की निंदा करें और राहुल गांधी को देश से माफी मांगने को कहें।' सिंह की आवाज में कई मंत्रियों और पार्टी सांसदों ने आवाज मिलायी और राहुल गांधी को एक भारत-विरोधी अराजकतावादी के रूप में प्रस्तुत किया गया, जो मोदी के नेतृत्व में भारत के विकास को नकार रहा है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी राहुल गांधी को भारत-विरोधी टूल किट का स्थायी हिस्सा बताया। इसकी प्रतिक्रिया में कांग्रेस ने भाजपा और मोदी के विदेश में दिये बयानों का हवाला दिया, जिनमें भारतीय नेताओं और दलों पर अपमानजनक बातें कही गयी थीं।

राहुल गांधी ने लंदन में कहा था कि जब वे सदन में बोलने के लिए खड़ा होते हैं, उनका माइक बंद कर दिया जाता है। उन्होंने लंदन के भाषण के बारे सदन में स्पीकरण देने के अपने अधिकार का दावा किया। भाजपा ने उनकी कही बात को साबित कर दिया। जब वे बोलने के लिए खड़े हुए, लोकसभा की कार्यवाही तुरंत स्थगित कर दी गयी। दुर्भाग्य से भाजपा की ओर से पहले बोलने वाले नेता बड़बोले हैं। उन्हें लगता है कि चीखने-चिल्लाने से उनका समर्पण सिद्ध होता है। अजीब ही है कि दिल्ली पुलिस ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान बातचीत में सामने आये यौन हिंसा के एक मामले के बारे में पूछताछ करने का नोटिस राहुल गांधी को दे दिया। धीरे-धीरे राहुल गांधी की छवि एक ऐसे नेता की बनती जा रही है, जिसे प्रताड़ित किया जा रहा हो। यह उनकी छवि के लिए बड़ी उपलब्धि है। भाजपा के रणनीतिकारों ने वैश्विक उदासीनता के बारे में राहुल गांधी के कहे को भारतीय मामलों में विदेशी हस्तक्षेप मांगना समझ लिया। जो भाजपा कभी राहुल गांधी को 'पप्पू' कहती थी, अब उन्हें एक ऐसा नेता मान रही है, जिसके शब्द जी20 और क्वाड नेताओं से घिरे शक्तिशाली मोदी को नुकसान पहुंचा सकते हैं। ऐसा क्यों लग रहा है कि सबसे बड़े दुश्मन के रूप में जितनी जरूरत राहुल को भाजपा की है, उससे कहीं अधिक जरूरत भाजपा को राहुल की है?

मोदी का आम तरीका बदले की भावना से काम लेने की जगह उपलब्धियों से ऊपर उठना रहा है, भले ही गांधी परिवार और उसके चाटुकारों ने उन्हें 'मौत का सौदागर', 'रावण' और 'चायवाला' कहा हो। इस बार भी उन्होंने अपने आलोचक का नाम लिए बिना भारतीय लोकतंत्र की ताकत को रेखांकित किया है, जबकि केसरिया चमचों ने राहुल गांधी को अपशब्द कह कर अपने नेता का ध्यान खींचना चाहा। राहुल गांधी अपनी पार्टी के बाहर अपनी प्रासंगिकता तलाश रहे हैं और भाजपा के अति उत्साही लोगों ने उनके आरोप को फैला कर उन्हें शायद यह अवसर दे दिया है। हाल में अनेक राज्यों में विजयी रही भाजपा शांत रह सकती थी। ऐसा लगता है कि पार्टी राहुल गांधी को दीर्घकालिक प्रतिद्वंद्वी मानकर चल रही है।उसे पता है कि कांग्रेस के हाशिये पर जाने से क्षेत्रीय दल मजबूत होंगे, जिनके पास राष्ट्रीय दलों से अधिक लोकप्रिय स्थानीय नेता हैं। कांग्रेस की स्थिति यही है, चुनाव जीतने की क्षमता रखने वाले उसके कुछ नेता पार्टी छोड़ गये हैं। ईडी और सीबीआई के इस्तेमाल से भ्रष्ट क्षत्रपों को किनारे लगाया जा सकता है। भाजपा लड़ाई को राहुल बनाम मोदी तक सीमित कर 2024 में कांग्रेस के वर्चस्व वाले राज्यों में बड़ी जीत के लिए तैयारी कर रही है।

आज से परमेश्वरी मंदिर में नवरात्रि पर्व का शुभारंभ

■ नागरिकों को नवरात्रि का आमंत्रण देने रैली निकाली गई

रिसाली। देवांगन जन कल्याण समिति भिलाई नगर के द्वारा 22 से 30 मार्च तक चैत्र नवरात्रि के अवसर पर प्रगति नगर रिसाली स्थित परमेश्वरी मंदिर में नवरात्रि पर्व का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर हमेशा की तरह मंदिर में मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित किए जाएंगे। प्रतिदिन संध्या समय जस गीत, सेवा गीत एवं भक्ति संगीत का आयोजन होगा। पंचमी एवं नवमी के दिन समिति के स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का भी आयोजन किया जाएगा इसी परिप्रेक्ष्य में परमेश्वरी भवन के चारों ओर बसे हुए निवासियों को भी बहुतायत में नवरात्रि पर्व के समस्त कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए आमंत्रित करने के लिए 19 मार्च को परमेश्वरी भवन से नवरात्रि आमंत्रण रैली निकाली गई । रैली शिव मंदिर होते हुए समीपस्थ कालोनी की गलियों से गुजरते हुए आगे बढ़ी। रैली में चल रहे देवांगन समाज के लोगों ने घर-घर जाकर आमंत्रण पत्र देकर उन्हें नवरात्रि के सभी कार्यक्रमों में शामिल होने हेतु न्योता दिया।आमंत्रण रैली का नेतृत्व देवांगन जन कल्याण समिति भिलाई के अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन, युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष चंदू सर एवं महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष उषा देवांगन ने किया। आमंत्रण रैली में समाज के वरिष्ठ जन रामानंद देवांगन, विनोद देवांगन, राधेश्याम देवांगन, नरेन्द्र देवांगन, देसूराम देवांगन, रेशमलाल देवांगन, त्रिलोक देवांगन, हेमकैलाश देवांगन, रामगोपाल देवांगन, शांति लाल देवांगन, श्रवण देवांगन, सत्यपाल देवांगन, जितेन्द्र बांकुरे, होमलाल देवांगन, मोहनलाल देवांगन, सोहनलाल देवांगन, हरिश्चंद्र देवांगन, रामकुमार देवांगन, कार्तिक देवांगन, सुखनंदन देवांगन, महिला प्रकोष्ठ की श्रीमती कल्पना देवांगन, जयश्री देवांगन, दामिनी देवांगन, नेकप्रभा देवांगन, भगवती देवांगन, मधुबाला देवांगन, युवा प्रकोष्ठ

के महेन्द्र देवांगन, दयाराम देवांगन, शंकरलाल देवांगन, संदीप देवांगन सहित समस्त पदाधिकारी एवं सदस्य गण शामिल थे।

रैली में सांस्कृतिक विभाग की ओर से बाजे-गाजे के साथ भजन करते हुए लोग चल रहे थे और माता परमेश्वरी का जयकारा लगा रहे थे। रैली में शामिल समाज के लोगो ने हाथों में माता परमेश्वरी का झंडा लहरा रहा था। इस रैली का उद्देश्य देवांगन जनों के साथ ही प्रगति नगर, आशीष नगर, मैत्री नगर आदि के लोगों को नवरात्रि पर्व में शामिल करना और माता परमेश्वरी का आशीर्वाद प्राप्त करने का सुअवसर प्रदान करना है??

शीतला मंदिर में नवरात्रि की तैयारियां पूर्ण

माँ कल्याणी शीतला मन्दिर मरोदा टैंक रिसाली में 22 मार्च से आयोजित चैत्र महापर्व की तैयारी लगभग पूरी हो गई है। यहां पर मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलन हेतु 751 रुपये की राशि निर्धारित की गई है। यहां पर 22 मार्च से 30 मार्च तक लगातार रात्रि 8 बजे से विविध सास्कृतिक कार्यक्रम होगे।

सर्व हिंदू समाजः शंखनाद कर दुर्गा वाहिनी रवाना करेगी शोभायात्रा

कोरबा। हिंदू नव वर्ष को यादगार बनाने के लिए सर्व हिंदू समाज के नेतृत्व में कोसाबाड़ी से टीपीनगर स्थित इंदिरा विहार कालोनी के टैगोर उद्यान तक भव्य शोभायात्रा 22 मार्च को शाम 4 बजे निकाली जाएगी। शोभायात्रा का शुभारंभ कोसाबाड़ी स्थिति हनुमान मंदिर में दुर्गा वाहिनी की बहनें सामूहिक शंखनाद कर करेंगी। शोभायात्रा के बुधवारी स्थित महाराणा प्रताप चौक पहुंचने पर वहां महाराणा प्रताप का भव्य अभिषेक किया जाएगा। यह अभिषेक दुग्ध व जल से किया जाएगा।

यह जानकारी सोमवार को तिलक भवन में विश्व हिंदू परिषद के जिला कार्यवाहक अध्यक्ष राजेन्द्र तारक ने दी। उन्होंने बताया कि सर्व हिंदू समाज के बैनर तले आयोजन किया जा रहा है, जिसकी अध्यक्षता भगवान बजरंग बली करेंगे। सर्व हिंदू समाज का अध्यक्ष उन्हें ही बनाया गया है। आयोजन में विहिप के साथ हिंदू जागरण मंच के जिला संयोजक आशीष सिंह, धर्म सेना के जिलाध्यक्ष सदानंद राठौर, कोरबा सतनामी कल्याण समिति से मनोज मनहर, गोंड़ समाज के बाबूलाल राज, सिक्ख समाज से रामसिंह राजपाल, इंदिरा विहार समिति महिला मंडल की अध्यक्ष रश्मि सिंह, राणा मुखर्जी समेत अनेक समाज सेवी संगठनों के प्रमुखों के सहयोग से आयोजन को सफल बनाने की तैयारी की है।

शोभायात्रा कोसाबाड़ी से निकलकर सुभाष चौक, घंटाघर चौक, श्रीराम जानकी मंदिर बुधवारी, महाराणा प्रताप चौक बुधवारी होते हुए सीएसईबी चौक से आईसीआईसीआई बैंक होकर टैगोर उद्यान पहुंचेगी। रास्ते में विभिन्न संगठनों द्वारा शोभायात्रा का स्वागत व आरती की जाएगी। इसके लिए मुख्य मार्ग को स्वागत द्वार, बैनर पोस्टर आदि से सजाया गया है।

कोरबा निगम का बजट एमआईसी से पारित

■ महापौर की अध्यक्षता एवं आयुक्त की उपस्थिति में सम्पन्न हुई निगम की मेयर इन काउंसिल की बैठक

कोरबा। नगर पालिक निगम कोरबा का पुनरीक्षित बजट वर्ष 2022-23 एवं बजट वर्ष 2023-24 सर्वसम्मति से मेयर इन काउंसिल से पारित होकर साधारण सभा की ओर अग्रेषित किया गया, वहीं नागरिक सेवाओं व सुविधाओं, विकास व निर्माण कार्यों सहित निगम के विविध कार्यों से संबंधित लगभग 02 दर्जन से अधिक प्रस्तावों पर भी मेयर इन काउंसिल ने विस्तृत चर्चा उपरांत आवश्यक निर्णय लिए।

महापौर राजकिशोर प्रसाद की अध्यक्षता एवं आयुक्त प्रभाकर पाण्डेय की उपस्थिति में आज नगर पालिक निगम कोरबा के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत स्थित एम.आई.सी.सभा कक्ष में मेयर इन काउंसिल की बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर पालिक निगम कोरबा का पुनरीक्षित बजट वर्ष 2022-23 एवं बजट वर्ष 2023-24 मेयर इन काउंसिल के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत किया गया। मेयर इन काउंसिल द्वारा उक्त बजट प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित करते हुए आवश्यक स्वीकृति हेतु साधारण सभा की ओर अग्रेषित किया। बैठक के दौरान सुनालिया चौक के पास नवनिर्मित मल्टीलेवल पार्किंग को व्यवसायिक काम्प्लेक्स के रूप में परिवर्तित कर नगर पालिक निगम कोरबा को भवन का स्वामित्व हस्तांतरित करने, पं.रविशंकर शुक्ल नगर विस्तार के रिक्त भूखण्डों के व्ययन, कोसाबाड़ी भाग-अ, ब व्यवसायिक भूखण्ड एवं महाराणा प्रतापनगर कोरबा के रिक्त भूखण्डों के व्ययन, पार्षद, एल्डरमेन निधि के संबंध में, निगम द्वारा पेट्रोल पम्प स्थापना, विभिन्न वार्डों में सड़क डामरीकरण, मरम्मत व संधारण कार्य, निगम की साफ-सफाई व्यवस्था, जलप्रदाय संधारण कार्य हेतु सामग्री खरीदी के संबंध में वार्षिक दर निर्धारण, 14वें वित्त आयोग के अंतर्गत तैयार की गई कार्ययोजना, निगम क्षेत्र में विभिन्न विद्युत कार्य हेतु वार्षिक दर निर्धारण,वार्डों में डामरीकृत सड़कों के मरम्मत व पेंच रिपेरिंग, नवनिर्मित बैडमिंटन कोट के संचालन, शासकीय भूमि पर विज्ञापन होर्डिंग लगाने, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं सहायिकाओं की नियुक्ति आदि के साथ-साथ निगम की विभिन्न नागरिक सेवाओं, सुविधाओं व विकास तथा निर्माण कार्यों से जुड़े कार्यों से संबंधित प्रस्तावों पर मेयर इन काउंसिल द्वारा आवश्यक निर्णय लिए गए। निगम के विविध कार्यों की समीक्षा - बैठक के दौरान महापौर राजकिशोर प्रसाद ने निगम के विकास व निर्माण कार्यों नागरिक सेवाओं व सुविधाओं से जुड़े कार्यों, साफ-सफाई, सड़क रोशनी, पेयजल आपूर्ति आदि के साथ-साथ निगम के विभिन्न कार्यालयीन कार्यो की विस्तार से समीक्षा की।

हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा ग्राम ढौर व अचानकपुर में संपन्न

पाटन। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आव्हान पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पाटन के द्वारा ग्राम ढौर व अचानकपुर में हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा में कांग्रेस कार्यकर्ता घर घर जाकर छत्तीसगढ़ के यशस्वी मुख्यमंत्री आदरणीय भूपेश बघेल के जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। और ग्रामीणों से छत्तीसगढ़ सरकार के जनहितैषी योजनाओं के क्रियान्वयन के बारे में जानकारी ली। उक्त यात्रा में प्रमुख रूप से यात्रा प्रभारी प्रभात वर्मा, जनपद सदस्य खिलेष मारकंडे, सेलुद सोसायटी के अध्यक्ष मोरध्वज साहू, धनंजय वर्मा, प्रेमलाल साहू, योगेश्वर यादव, गिरीश साहू, चेलाराम साहू, गंगा प्रसाद साहू, राम साहू, नरेश सोनबोर, योगेश, उमाशंकर, तोमेश्वर साहू, मोंगरा साहू, सीता सपहा, तिलेश्वरी साहू, दुलारी साहू, कुमारी बाई साहू, धनेश्वरी साहू, दिलेश्वरी साहू, लता साहू इलेश्वरी साहू, श्यामलाल साहू, राजेंद्र साहू, पुनीत राम साहू, टेमन दास मानिकपुरी, मणिलाल साहू, रामलाल साहू, हीरालाल साहू, राधेलाल साहू, कृष्णा साहू, त्रिवेणी मानिकपुरी, नीरा यादव, खेमिन यादव, मथुरा यादव, यशोदा साहू, बिसेलाल ठाकुर, टोमिन साहू, खिलेंद्री निर्मलकर आदि उपस्थित थे।

लोहरसी में हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर 26 जनवरी से प्रारंभ की गई हाथ से हाथ

जोड़ो यात्रा सोमवार को ग्राम लोहरसी में राममंदिर में पूजा अर्चना कर य प्रारंभ की गई इस यात्रा में प्रमुख रूप से शीतल चन्द्राकर (अध्यक्ष सेवा सहकारी समिति तर्रा) भूषण चन्द्राकर (पूर्व सरपंच) सालिक साहू (जोन प्रभारी) ईश्वर चन्द्राकर (सेक्टर प्रभारी) रामसहाय कोशे भूषण चन्द्राकर (वरिष्ठ कांग्रेसी) सुश्री किरण चन्द्राकर (उपाध्यक्ष जिला युवा कांग्रेस दुर्ग ग्रामीण)सोमेश चन्द्राकर(महासचिव युवा कांग्रेस पाटन विधानसभा) सौरभ चन्द्राकर (सचिव युवा कांग्रेस) सुश्री संतोषी तिवारी (प्रवक्ता) रामस्वरूप चंद्राकर अमरसिंह चंद्राकर शंकर चन्द्राकर, लालजी चन्द्राकर, संतोष पटेल, नारायण, नाथू धीवर, नेपाल चंद्राकर बलदाऊ चंद्राकर, ठाकुराराम वर्मा, शत्रुघ्न चंद्राकर, गंगाराम चंद्राकर, शेषनारायण चंद्राकर, महेश चंद्राकर, राजकुमार चंद्राकर, शुभम वर्मा, मनोज वर्मा, रामकृपाल निर्मलकर, बलराम सेन, चैनलाल कुर्रे, मुकुंद चंद्राकर, धर्मेंद्र वर्मा प्रकाश धनेश्वर अनिल चंद्राकर शारदा प्रसाद कोणार्क चंद्राकर सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता व ग्रामीणजन शामिल हुए।

रिसाली के वार्ड 19 में हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा

रिसाली। नगर पॉलिक निगम रिसाली के वार्ड क्रमाक 19 बी आर पी कालोनी स्टेशन मरोदा में हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा सम्पन्न हुई। यात्रा प्रभारी श्रीमती सरिता जितेंद्र साहू के सयोजन में कांग्रेस नेताओ व कार्यकर्ताओं ने वार्ड के घर घर जाकर छग के कांग्रेस सरकार की योजनाओं व उपलब्धियो को बताया गया। साथ ही गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू के द्वारा किये गए कार्यो को आम जनता को पाम्पलेट के माध्यम से बताया गया।इस अवसर पर प्रमुख रूप से यात्रा प्रभारी श्रीमती सरिता जितेंद्र साहू, महापौर श्रीमती शशि अशोक सिन्हा, वार्ड 19के वार्ड पार्षद श्री विनय नेताम ,ब्लाक अध्यक्ष मुकुंद भाऊ, ब्लॉक महामंत्री चंद्रकांत कोरे महिला ब्लाक अध्यक्ष हेमिन चतुर्वेदी, महापौर परिषद के सदस्य गोविंद चतुर्वेदी अनुप डे चंद्रभान सिंह ठाकुर चंद्र प्रकाश निगम सिंग ,पार्षद टिकम साहू सारिका साहू ममता यादव शिला नारखेड़े जमुना ठाकुर ,एलडरमेन श्रीमती संगीता सिंग श्रीमती संध्या वर्मा तरुण बंजारे अजीत यादव सीसीर साहू संतुमानिकपुरी मो. निजाम श्रीमती राजेशवरी पसीने श्रीमती अनुपमा गोस्वामी आदि उपस्थित थे।

विकास के साथ आदिवासी संस्कृति को दिया जा रहा बढ़ावा

देवगुडियों का संरक्षण भूपेश सरकार की प्राथमिकता : रेखचंद जैन

जगदलपुर। संसदीय सचिव व जगदलपुर विधायक रेखचंद जैन ने कहा है कि देवगुडियों का संरक्षण व संवर्धन तथा आदिवासी संस्कृति को बढ़ावा देना भूपेश सरकार की प्राथमिकता है और इस दिशा में अतुलनीय कार्य किए जा रहे हैं। रविवार को जगदलपुर विधानसभा क्षेत्र के छह गांवों में देवगुड़ी संरक्षण व संवर्धन के लिए संबंधित ग्रामों के सरपंच, उप सरपंच, पंच, सचिव तथा ग्रामीणों को आवश्यक राशि का चेक सौंपते उन्होने यह बात कही।

जैन ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने विकास के साथ आदिवासी संस्कृति को भरपूर बढ़ावा दिया है। कांग्रेस के शासनकाल में गांवों में विकास के उतने कार्य हो रहे हैं, जिनकी भाजपा के 15 साल के कार्यकाल में कल्पना भी नहीं की गई थी। उन्होने अंचल के प्रमुख देवी-देवताओं के गुडियों के संरक्षण व संवर्धन के लिए बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण व इसके अध्यक्ष श्री लखेश्वर बघेल का भी आभार माना। जगदलपुर विधानसभा क्षेत्र के छह देवगुडियों का 26 लाख रुपये से संरक्षण- संवर्धन होने की बात कही गई। श्री जैन ने बताया कि अब तक सैकड़ों देवगुड़ी का कायाकल्प करने राशि प्रदान की गई है। रविवार को जिन छह देवगुडियों के संरक्षण- संवर्धन के लिए चेक दिए गए उनमें जामावाड़ा एक की परदेशिन माता, मारकेल एक की जलनी माता, मांझीगुड़ा की बामनदेई माता, तुसेल की हिंगलाजिन माता, टोन्डापाल की मावली माता तथा नेतानार की मातागुड़ी सम्मिलित हैं।

रविवार को चेक वितरण के समय तुसेल व टोन्डापाल के पंचायत प्रतिनिधि नहीं पहुंच पाए थे। सोमवार को इन्हें विधायक रेखचंद जैन की ओर से कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष व जनपद सदस्य नीलूराम बघेल ने जगदलपुर स्थित विधायक कार्यालय में चेक सौंपा। इस दौरान सुनील दास, तुसेल के लखमूराम नागेश, रामनाथ बघेल, टोन्डापाल के कमलू चालकी, जगदीश चालकी, उलनार के खगपति, शिबो पुजारी, मोहन आदि मौजूद थे।

हड़ताल की वजह से राशन कार्ड जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र बनना बंद

कोरबा। प्रदेश पंचायत सचिव संघ के आह्वान पर जिले के पंचायत सचिव अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। शासकीयकरण की मांग को लेकर इस बार काम बंद, कलम बंद आंदोलन कर रहे हैं। हड़ताल की वजह से राशन कार्ड, जन्म, मृत्यु प्रमाण पत्र समेत कई कार्य प्रभावित हो रहे हैं। पंचायत सचिव ब्लॉक मुख्यालयों में धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। पाली जनपद पंचायत कार्यालय के सामने धरना पर बैठे संघ के प्रांतीय महामंत्री सुनील जायसवाल ने कहा कि शासकीयकरण की मांग लंबे समय से की जा रही है। इसके बावजूद इसे बजट में शामिल नहीं किया है, जब तक मांग पूरी नहीं हो जाएगी। तब तक आंदोलन जारी रहेगा। धरना में ब्लॉक अध्यक्ष पुनीराम मानिकपुरी, गिरीश चंद्र कश्यप, रामकुमार टेकाम, अनिल कुमार, संतोष जगत समेत बड़ी संख्या में सचिव शामिल हो रहे हैं। कोरबा में भी आईटीआई चौक पर पंचायत सचिवों का धरना जारी रहा। करतला, कटघोरा और पोड़ी उपरोड़ा जनपद मुख्यालय के सामने भी धरना चल रहा है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़, महिला नक्सली ढेर

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के गंगालूर थाना क्षेत्र के कोरचोली और टोडका के बीच के जंगलों में मंगलवार सुबह करीब साढ़े छह बजे पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में एक महिला नक्सली मारी गई है। मुठभेड़ के बाद तलाशी अभियान में 12 बोर की राइफल बरामद हुई है। बीजापुर एसपी आंजनेय वार्ष्णेय के अनुसार गंगालूर थाना क्षेत्र के कोरचोली और टोडका के बीच जंगलों में पुलिस और नक्सलियों के बीच सुबह-सुबह मुठभेड़ हुई। इसदौरान में एक महिला नक्सली की मौत हुई है। मुठभेड़ के बाद तलाशी अभियान भी चलाया गया। जिसमें नक्सलियों के पास से 12 बोर की राइफल भी बरामद हुई हैं। माओवादियों पीएलजीए कंपनी नंबर दो कमांडर वेल्ला एवं गंगालूर एरिया कमेटी एसीएम दिनेश एवं अन्य की उपस्थिति पर सुरक्षा बलों ने कार्रवाई की है। मुठभेड़ में एक वर्दीधारी नक्सली मारा गया। मुठभेड़ में सुरक्षा बलों को किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं हुआ है। मौके पर डीआरजी, एसटीएफ, सीआरपीएफ की कार्रवाई जारी है।

धर्मांतरण से नष्ट हो रही है बस्तर की मूल संस्कृतिः केदार

जगदलपुर। बस्तर जिले के शहर सीमा से लगे परपा थाना क्षेत्र अंतर्गत तोकापाल के ग्राम भेजरीपदर में ईसाई समुदाय में धर्मांतरित महिला की मौत के बाद हुए विवाद पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री केदार कश्यप ने कहा है कि धर्मांतरण के घातक एजेंडे को प्रदेश की कांग्रेस सरकार के द्वारा राजनैतिक संरक्षण दिया जा रहा है। जिसके चलते बस्तर क्षेत्र की स्थिति दिन-प्रतिदिन बिगड़ती जा रही है। बस्तर में यह विवाद कोई पहला मामला नहीं है, अपितु नारायणपुर घटना की पुनरावृत्ति बस्तर में फिर हुई है। उन्होने कहा कि धर्मांतरण के घातक एजेंडे के कारण बस्तर की मूल संस्कृति और सभ्यता नष्ट हो रही है। केदार कश्यप ने कहा कि धर्मांतरण के कारण सामाजिक संरचना में हो रहे बदलाव को लेकर कुछ समय पूर्व कांग्रेस शासन के इसी कार्यकाल में एसपी ने जो आशंका जताई थी, वह अब सच साबित हो रही है।

भाजपा महिला पार्षद पति सहित गिरफ्तार, मचा हड़कंप

रायगढ़। रायगढ़ शहर के जूटमिल क्षेत्र में वार्ड क्रमांक 34 से भाजपा की महिला पार्षद व उसके पति सहित एक अन्य महिला को पुलिस ने मारपीट व एसटीएससी एक्ट के तहत गिरफ्तार किया है। तीनों के खिलाफ दिसंबर 2022 में मारपीट के मामले में एफ्आईआर दर्ज की गई थी। महिला पार्षद पति समेत गिरफ्तार: दरअसल दिसंबर 2022 में महिला पार्षद पुष्पा साहू के बेटे को जूटमिल पुलिस ने सट्टा खेलने के आरोप में गिरफ्तार किया था। बेटे की गिरफ्तारी से नाराज महिला पार्षद पुष्पा साहू व उसके पति ने मुखबिरी का आरोप लगाते हुए मोहल्ले के ही एक युवक अरुण भूषण के साथ मारपीट की थी। वहीं अरुण ने मारपीट की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई थी। पुलिस ने प्रार्थी की रिपोर्ट पर आरोपी पुष्पा साहू, निरंजन साहू व रामेश्वरी साहू के खिलाफ धारा 294,506 बी, 323 व एसटीएससी एक्ट के तहत एफ्आईआर दर्ज किया था। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद से ही आरोपी फरार थे। शनिवार को उनके रायगढ़ में ही छिपे होने की सूचना पर पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया है।

दुकान संचालक ने अंगूठा लगवा राशन ले लिया

कोरबा। पाली ब्लाक के ग्राम सेंद्रीपाली की महिलाओं ने सोमवार को एसडीएम कार्यालय में प्रदर्शन करते हुए चावल वितरण में हेराफेरी करने की शिकायत की है। दुकान संचालक ने हितग्राहियों का अंगूठा लगाकर 3 महीने से चावल ही नहीं दिया। जनपद सदस्य सुधराम अगरिया ने बताया कि गरीबों के हक का चावल बाहर बेचा जा रहा है। 3 महीने से चावल नहीं मिलने से सभी परेशान हैं। सरपंच रीता टेकाम ने बताया कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत सरकारी राशन में लंबे समय से कालाबाजारी की जा रही है। इसकी जानकारी खाद्य विभाग को देने के बाद भी कार्रवाई नहीं हो रही है। गांव की धन बाई ने बताया कि अधिकांश हितग्राही अंगूठा लगाते हैं,इसी का फायदा उठाकर चावल वितरण नहीं किया जा रहा है। कई महिला समूह मध्याह्न भोजन का संचालन करती है। उनके कूपन का चावल भी नहीं दिया है। बड़ी संख्या में महिलाएं पहुंची थी। एसडीएम ने जांच के बाद कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

कोयले से भरा ट्रेलर पुलिया पर अनियंत्रित होकर पलटा

गौरेला पेंड्रा मरवाही। पेंड्रा गौरेला से मध्यप्रदेश को जोड़ने वाली मुख्यमार्ग में हर्राटोला गांव के पास स्थित पुलिया में आए दिन हादसे हो रहे हैं। कोरबा से मध्यप्रदेश के जैतहरी मोजर वेयर पॉवर प्लांट जा रहा कोयले से भरा ट्रेलर पुलिया से नीचे अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। राहत की बात यह रही कि चालक और क्लीनर को मामूली रूप से चोट आई। जिन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, ग्रामीणों का आरोप है कि इस पुलिया में आए दिन हादसे होते हैं। पर स्थानीय प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है। गौरेला से मध्यप्रदेश को जोड़ने वाली सड़क पर हर्राटोला गांव के पास स्थित पुलिया जो मोड़ पर स्थित है। मोड़ पर होने की वजह से यहां पर आए दिन हादसे होते हैं। बीती रात भी यहां पर एक ट्रेलर जो कोयला लेकर कोरबा से मध्यप्रदेश के जैतहरी स्थित मोजर वेयर पॉवर प्लांट जा रहा था। अनियंत्रित होकर पुलिया से नीचे जा गिरा। राहत की बात यह रही कि हादसे में चालक और क्लीनर को चोटें आई पर वे खतरे से बाहर है।

स्कूल में पढ़ाने की जगह करते हैं जमीन दलाली, जांच के निर्देश

मेडिकल लीव पर गोवा घूमने गए शिक्षक, फोटो वायरल

बालोद। छत्तीसगढ़ में बालोद के सरकारी स्कूल में पढ़ाने वाले दो शिक्षकों की चर्चा पूरे जिले में हैं। इन दोनों शिक्षकों ने अध्यापन कार्य से नहीं, बल्कि अपनी हरकतों से नाम रोशन किया है। दोनों शिक्षकों ने मेडिकल लीव ली और फिर जमीन की दलाली करने वाले कुछ लोगों के साथ छुट्टियां मनाने के लिए गोवा चले गए। इनका फोटो स्थानीय संकुल ग्रुप में वायरल हुआ तो बात शिक्षा विभाग तक पहुंच गई। इसके बाद जिला शिक्षा अधिकारी मुकेश साहू ने दोनों को नोटिस जारी कर मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं।

बिना विभागीय जानकारी के नहीं कर सकते काम

दरअसल, यह पूरा मामला गुरुर विकासखंड का है। जहां के कनेरी हाईस्कूल में पढ़ाने वाले मनहरण लाल सिन्हा और टेकवा विद्यालय के शिक्षक टिभु राम गंगबेर हैं। ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ललित चंद्राकर ने बताया कि दोनों शिक्षकों के खिलाफ पहले आरोप लगा था कि वे जमीन खरीदी-बिक्री का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि शासकीय कर्मचारी बिना विभाग को जानकारी दिए ऐसा नहीं कर सकते। हालांकि जांच में कुछ मिला नहीं। अब मेडिकल लीव पर घूमने की शिकायत पर गंभीरता से जांच की जा रही है।

कुछ दिनो पहले करवाई थी रजिस्ट्रियां

स्थानीय लोगों का कहना है कि दोनों शिक्षक अध्यापन कार्य के समय जमीन खरीदी बिक्री में व्यस्त रहते हैं। विद्यालय से अक्सर गायब रहते हैं। इसकी जांच की जिम्मेदारी विकासखंड शिक्षा अधिकारी को ही मिली थी, पर मामला ठंडे बस्ते में चला गया। सूत्रों के मुताबिक, दोनों किसी जमीन के काम में गवाह नहीं बनते। कुछ दिनों पहले इन्होंने करीब पांच से 10 रजिस्ट्री कराई थी। अब इनकी गोवा ट्रिप चर्चा में है। दोनों फ्लाइट से गोवा गए थे। स्टेटस में लगाई गई फोटो में बीयर की बोतलें भी दिख रही हैं।

समस्याओं को लेकर भाजपा पार्षद 24 को नगर निगम दफ्तर का करेंगे घेराव

कोरबा। निगम के भाजपा पार्षद दल ने सोमवार को साकेत भवन में बैठक के बाद 24 मार्च को समस्याओं को लेकर निगम दफ्तर का घेराव करने और महापौर कक्ष में तालाबंदी करने निर्णय लिया है। इस संबंध में पार्षदों ने अपर कलेक्टर विजेंद्र पाटलेए एसपी उदय किरण और निगम आयुक्त प्रभाकर पांडेय को ज्ञापन सौंपा।

नेता प्रतिपक्ष हितानंद अग्रवाल का कहना है कि शहर में विकास कार्य पूरी तरह ठप है। महापौर को जनता के सुख,दुख से कोई लेना देना नहीं है। नियमितीकरण के नाम पर मनमानी की जा रही है। संपत्ति कर में स्वच्छता शुल्क जोड़ कर लिया जा रहा है यह निंदनीय है। मुख्य मार्ग की स्ट्रीट लाइट बंद है। नालियां जाम होने से लोग परेशान हैं। लोगों को सुबह और शाम 30 मिनट से भी कम समय तक पेयजल दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सामान्य सभा की बैठक हर 3 महीने में होनी चाहिए, लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। विकास कार्यों में भी भेदभाव हो रहा है। इसी वजह से भाजपा पार्षदों ने आंदोलन करने का निर्णय लिया है। इस मौके पर नगरीय निकाय प्रकोष्ठ के जिला संयोजक सुफ्त दास महंत, आरती विकास अग्रवाल, ऋतु चौरसिया, कमला देवी बरेठ, पुष्पा कंवर, धनश्री साहू, उर्वशी राठौर, भानुमति जायसवाल, प्रतिभा निखिल शर्मा, अनिता सुकुन्दी यादव, ममता बलीराम साहू, पुराइन कंवर, नारायण दास महंत आदि उपस्थित थे।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

कर्नाटक में 25 मार्च को होगा मोदी का साल का सातवां दौरा

बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चिक्काबल्लापुर, बेंगलुरु और दावणगेरे में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए 25 मार्च को कर्नाटक पहुंचेंगे। एक सरकारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि प्रधानमंत्री 25 मार्च की सुबह शहर में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड हवाई अड्डे पर उतरेंगे और श्री मधुसूदन साई इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च का उद्घाटन करने के लिए हेलीकॉप्टर से चिकबल्लापुर के लिए उड़ान भरेंगे। मोदी व्हाइटफील्ड मेट्रो लाइन का उद्घाटन करने के लिए दोपहर में बेंगलुरु पहुंचेंगे और मेट्रो ट्रेन में सवारी भी करेंगे। एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इसके बाद वह दावणगेरे जाएंगे और एक जनसभा को संबोधित करेंगे और फिर शिवमोगा जाएंगे और फिर दिल्ली के लिए उड़ान भरेंगे। मोदी का इस साल कर्नाटक का यह सातवां दौरा होगा। प्रधानमंत्री 12 मार्च को मांड्या में बेंगलुरु-मैसूर एक्सप्रेस-वे और धारवाड़ में आईआईटी परिसर का उद्घाटन करने के लिए कर्नाटक में थे।

शहजादा नवाब बनना चाह रहा : संबित पात्रा

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के लंदन में दिए बयान को लेकर देश में विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। बीजेपी लगातार राहुल गांधी को घेरने में जुटी हुई है, इस बीच बीजेपी ने राहुल गांधी को भारत के लिए मीर जाफर करार दिया है। मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने राहुल गांधी को वर्तमान राजनीति का मीर जाफर कहते हुए तीखा हमला बोला है। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा,राहुल गांधी को देश से माफी मांगनी चाहिए। वह हमारे देश को लंदन में जाकर बदनाम कर रहे हैं। उन्होंने देश का अपमान किया और विदेशी ताकतों को देश में हस्तक्षेप करने के लिए उकसाया है। बीजेपी प्रवक्ता ने आगे कहा, शहजादा नवाब बनना चाह रहा है बस इसलिए ही राहुल गांधी दूसरे देश में जाकर देश को बदनाम करते हैं। उन्होंने कहा कि मीर जाफर ने जो किया उससे यह बिल्कुल भी अलग नहीं है। मीर जाफर ने नवाब बनने के लिए क्या किया, यह आप सभी जानते हैं उन्हें हमेशा शासन करने की इच्छा थी।

दिल्ली का बजट हो सकेगा पेश केंद्र सरकार ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। दिल्ली बजट को लेकर राजनीतिक वार-पलटवार का दौर लगातार जारी था। केजरीवाल सरकार का दावा था कि केंद्र सरकार ने दिल्ली का बजट रोक दिया है। दूसरी ओर भाजपा अपना अलग दावा कर रही है। इन सबके बीच न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से कहा है कि केंद्र सरकार ने दिल्ली सरकार के बजट को मंजूरी दे दी है। इसका मतलब साफ है कि दिल्ली में अब बजट पेश किया जा सकेगा। इस बात को लेकर केंद्र सरकार ने दिल्ली सरकार को जानकारी भी दे दी है। हालांकि, आम आदमी पार्टी की सरकार ने केंद्र पर दिल्ली के बजट को रोकने का आरोप लगाया था। इससे पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर ''दिल्ली का बजट नहीं रोकने'' का अनुरोध किया था। केजरीवाल ने प्रधानमंत्री मोदी को लिखे पत्र में कहा, ''पिछले 75 साल में यह पहली बार है जब किसी राज्य का बजट रोक दिया गया है। आप दिल्ली वालों से क्यों खफ़ा हैं? दिल्ली का बजट मत रोकिए।

मुख्यमंत्री केजरीवाल से अनुराग ठाकुर का सवाल

नईदिल्ली। दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार ने केंद्र पर आरोप लगाया है कि उसे मंगलवार को बजट पेश नहीं करने दी गई। इसी को लेकर भाजपा की ओर से जवाब दिया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि उपराज्यपाल ने बजट 2023-24 को कुछ अवलोकन के साथ मंजूरी दे कर मुख्यमंत्री को भेज दी थी। दिल्ली सरकार ने राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए फाइल गृह मंत्रालय को भेजी। गृह मंत्रालय ने दिल्ली सरकार को अपनी आपत्ति से अवगत करा दिया है और 17 मार्च 2023 से जवाब का इंतजार कर रही है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि 4 दिन हो गए हैं पर दिल्ली सरकार ने संशोधन के बाद भी जवाब नहीं दिया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मामला दिल्ली सरकार की तरफ से लंबित है, उसके लिए केंद्र सरकार को दोष देना गलत है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार करने वाले (राहुल और केजरीवाल) एक साथ आ गए हैं। मैं केजरीवाल से पूछना चाहता हूं कि अगर आप इतने पढ़े-लिखे हैं तो आपके स्वास्थ्य मंत्री और उपमुख्यमंत्री सलाखों के पीछे क्यों हैं?

बीआरएस नेता कविता तीसरी बार ईडी के समक्ष पेश हुईं

नयी दिल्ली। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के. कविता दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में पूछताछ के लिए मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुईं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बेटी और विधान परिषद सदस्य कविता (44) पूर्वाह्न 11:30 बजे ईडी कार्यालय पहुंचीं। कविता तीसरी बार ईडी के सामने पूछताछ के लिए पहुंची हैं। इससे पहले 11 और 20 मार्च को वह मध्य दिल्ली स्थित ईडी मुख्यालय में करीब 18-19 घंटे रही थीं। सोमवार को बीआरएस नेता रात करीब 9:15 बजे ईडी दफ्तर से निकली थीं। सूत्रों के अनुसार उनसे पूछताछ में करीब एक दर्जन सवाल पूछे गये और उनका बयान दर्ज किया गया। समझा जाता है कि कविता से हैदराबाद के उद्योगपति अरुण रामचंद्र पिल्लै के बयानों के संबंध में भी पूछताछ की गई जिन्हें मामले में गिरफ्तार किया जा चुका है। पिल्लै का कविता से कथित तौर पर अच्छा संपर्क है।

राहुल-अदाणी मुद्दे पर संसद के दोनों सदनों में गतिरोध जारी

पुलिस को चकमा देकर भागा अमृतपाल

नई दिल्ली। खालिस्तानी नेता अमृतपाल सिंह को पकड़ने के लिए बड़े पैमाने पर चलाए जा रहे तलाशी अभियान का मंगलवार को चौथा दिन है। अब तक 100 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। लेकिन अमृतपाल सिंह पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया है। वारिस पंजाब डे के स्वयंभू प्रमुख अमृतपाल सिंह को शनिवार को जालंधर जिले के माध्यम से एक गहन कार का पीछा करने के बाद पुलिस को चकमा देने के बाद भगोड़ा घोषित किया गया है। अमृतपाल सिंह और उसके साथियों को पकड़ने के लिए राज्य भर में और हिमाचल प्रदेश से लगी सीमाओं पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अमृतपाल सिंह से जुड़ा एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह टोल प्लाजा पर कार की अगली सीट पर दिखाई दे रहा है। सिंह को एक टोल बूथ से सामने आई सुरक्षा फुटेज में कार में देखा जा सकता है। योजना के अनुसार खिलचियां पुलिस द्वारा अमृतसर जिले में जालंधर-मोगा रोड पर एक चेक पोस्ट स्थापित की गई थी। अमृतपाल सिंह के काफिले को पुलिस ने रुकने को कहा, लेकिन काफिला बैरिकेड तोड़कर फरार हो गया।

पुलिस का क्या है कहना

जालंधर के पुलिस कमिश्नर कुलदीप सिंह चहल के हलफनामे में कहा गया है, %%इस संबंध में आईपीसी की धारा 279, 186, 506, 336, 427 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी और अमृतपाल सिंह और अन्य के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धाराएं खिलचियां पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई थीं। काफिले के वाहनों का पता लगाने के लिए आसपास के सभी पुलिस थानों और जिलों को अलर्ट कर दिया गया था।

18 मार्च को शुरू हुआ था ऑपरेशन

अमृतपाल सिंह के खिलाफ शनिवार (18 मार्च) को पुलिस ने कार्रवाई शुरू की थी। हलफनामे में कहा गया है कि अमृतपाल के पास .315 राइफल थी और वह जनता में डर पैदा करने के उद्देश्य से उसकी ब्रांडिंग कर रहा था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, कम से कम 50 कारें काफिले का पीछा कर रही थीं। आदेश स्पष्ट थे- उकसावे के बावजूद फायरिंग नहीं होनी थी। पुलिस टीम अपने साथ एक वीडियोग्राफर भी ले जा रही थी, ताकि कहीं गुरु ग्रंथ साहिब को सामने लाया जा सके। पुलिस खराब तैयारी नहीं करना चाहती थी। सभी साक्ष्य रिकॉर्ड पर थे यह सुनिश्चित करने के लिए वीडियोग्राफर मौजूद था।

राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लगाया गया

पंजाब सरकार ने पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय को बताया कि फरार वारिस डी पंजाब प्रमुख अमृतपाल सिंह के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू किया गया है। अमृतपाल सिंह की रिहाई की मांग करने वाली याचिका पर राज्य की प्रतिक्रिया आई। बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका वारिस पंजाब डे के कानूनी सलाहकार इमान सिंह खारा ने दायर की थी। उन्होंने अमृतपाल की रिहाई की मांग करते हुए दावा किया कि वह पुलिस की अवैध हिरासत में हैं।सुनवाई के दौरान, अदालत ने पंजाब पुलिस से सवाल किया कि अमृतसर में जी20 शिखर सम्मेलन के मद्देनजर कड़ी सुरक्षा के बावजूद अमृतपाल सिंह कैसे फरार हो गया। जब 5-6 एफआईआर थीं और आप कह रहे हैं कि उसके खिलाफ 5-6 आपराधिक मामले हैं, तो वह कैसे बच निकला? 80,000 पुलिसवाले क्या कर रहे थे?न्यायमूर्ति एनएस शेखावत की पीठ ने पंजाब सरकार की दलीलों का जिक्र करते हुए यह टिप्पणी की।

खालिस्तानियों का किया विरोध

ब्रिटेन की राजधानी लंदन में भारतीय उच्चायोग के सामने आज भारी संख्या में भारतीय समुदाय के लोग एकत्रित हुए थे। सभी ने खालिस्तानियों का जमकर विरोध किया तथा भारत की एकता का समर्थन किया। भारत के समर्थन में सभी ने जबरदस्त तरीके से नारे भी लगाए। फ्रेंड्स ऑफ इंडिया सोसाइटी इंटरनेशनल के एक सदस्य ने कहा कि हम भारत का समर्थन करने के लिए भारतीय उच्चायोग के बाहर इकट्ठा हुए हैं। उनके हाथ में भारतीय तिरंगा भी था। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले भारतीय ध्वज को हटाने की कोशिश की गई। हम ब्रिटिश सांसदों से तुरंत कार्रवाई करने और इन समस्याओं के लिए कुछ हल निकालने का आग्रह करते हैं। एक और सदस्य ने कहा कि मैं लंदन के मेयर सादिक खान से तुरंत कार्रवाई का आग्रह करता हूं। हमें आपके बयान की जरूरत नहीं। हमें उनसे कार्रवाई की जरूरत है। आपको बता दें कि लंदन में खालिस्तान समर्थकों द्वारा भारतीय उच्चायोग के पास लहरा रहे भारतीय तिरंगा को उतारने की कोशिश की गई थी।

आईएसआई ने जॉर्जिया में दिया था हथियारों का प्रशिक्षण

वारिस पंजाब दे के मुखिया अमृतपाल सिंह के खिलाफ जहां पंजाब पुलिस द्वारा बड़े पैमाने पर कार्रवाई की जा रही है, वहीं अब खबर है कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने ऑपरेशन अमृतपाल सिंह मामले में एंट्री ले ली है। मिली जानकारी के मुताबिक अमृतपाल मामले की जांच के सिलसिले में एनआईए की 9 टीमें जालंधर, तरनतारन, गुरदासपुर और अमृतसर पहुंच चुकी हैं। एनआईए, अमृतपाल और उसकी ब्रिगेड के आईएसआई के साथ संबंधों की जांच कर रही है। वहीं वारिस पंजाब के संगठन के मुखिया अमृतपाल सिंह आज भी पुलिस की गिरफ्त में नहीं आ सका हैं। पंजाब पुलिस पूरे राज्य में उसकी तलाश कर रही है। वहीं अमृतपाल सिंह के चाचा को पंजाब से असम की डिब्रूगढ़ सेंटर जेल भेज दिया गया है। इसके साथ ही आज दोपहर 12 बजे के बाद पंजाब के कुछ इलाकों में इंटरनेट शुरू हो जाएगा। उधर, खुफिया एजेंसियों की जांच में यह खुलासा हुआ है कि अमृतपाल को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने जार्जिया में हथियारों के इस्तेमाल का प्रशिक्षण दिया था। पंजाब आने से पहले वह दुबई से जॉर्जिया गया था। उनकी आनंदपुर खालसा फोर्स (एकेएफ) बनाने की तैयारी भी इसी ट्रेनिंग का हिस्सा थी। पंजाब और देश का माहौल खराब करने के लिए उन्हें जॉर्जिया में पूरी ट्रेनिंग दी गई।

अधीररंजन चौधरी का प्रधानमंत्री मोदी पर हमला, बोले-

पीएम बनने के बाद से केवल राहुल गांधी की बात करते हैं

दिल्ली। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष अधीररंजन चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधा हमला करते हुए कहा कि आज की तारीख में भारत की आम जनता को पता है कि देश के प्रधानमंत्री अयोग्य हैं। जब तक वो केंद्र की सत्ता में नहीं आये थे, तब तक कहा करते थे कि कांग्रेस कमजोर और कायर है। अगर मैं सत्ता में आया तो दाऊद इब्राहिम को भारत वापस लाऊंगा और जेल में डालूंगा लेकिन अब वो केवल राहुल गांधी की आलोचना में व्यस्त रहते हैं।

समाचार एजेंसी से बात करते हुए कांग्रेस सांसद चौधरी ने सरकार पर बेहद गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि मोदी और उनकी सरकार का प्लॉन है कि वो सीबीआई और ईडी जैसी जांच एजेंसियों के जरिये विपक्षी नेताओं को झूठे केस में फंसाएं। हम देख रहे हैं कि वो किस रास्ते से देश का हजारों करोड़ लूटकर कैरिबियन समुद्र में आनंद ले रहे हैं। नीरव मोदी और मेहुल चौकसी बेखौफ घूम रहे हैं।

संसद में चल रहे अवरोध पर अधीररंजन चौधरी ने कहा कि सत्तापक्ष की ओर से संसद के कार्य को बाधित किया जा रहा है और ऐसा पहली बार हो रहा है कि सत्तापक्ष विपक्ष के सवालों का जवाब देने की बजाए उनकी आवाज को खामोश कर रहा है। इस पूरे मामले में सबसे दुर्भाग्य की बात है कि संसद चलाने वाले अध्यक्ष विपक्षी सदस्यों के माइक को बंद कर रहे हैं। जहां तक संसद में माफी मांगने का सवाल तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को माफी मांगनी होगी। दरअसल सत्तापक्ष और विपक्ष में लगातार राहुल गांधी के बयान को लेकर संसद में आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला लगातार जारी है। भाजपा नीत एनडीए सदन में मांग कर रही है कि राहुल गांधी ने लंदन में जो भी देश विरोधी बातें कही हैं, उसके लिए वो संसद में माफी मांगे।

सरकार की आलोचना करना राष्ट्र की आलोचना नहीं : कांग्रेस

नईदिल्ली। लंदन में लोकतंत्र को दिए गए बयान पर राहुल गांधी के मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। भाजपा जबरदस्त तरीके से राहुल गांधी पर हमलावर है। राहुल गांधी से माफी की मांग की जा रही है। हालांकि, कांग्रेस की ओर से साफ तौर पर माफी मांगने से इनकार किया जा रहा है। राहुल गांधी ने भी खुद कहा है कि वह अपनी बात को लोकसभा में रखना चाहते हैं। इन सबके बीच एक बार फिर से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से राहुल गांधी को लेकर सवाल पूछा गया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि माफी मांगने का तो सवाल ही पैदा नहीं होता। खड़गे ने कहा कि माफी मांगने का कोई सवाल नहीं है। वे पूछते रहेंगे, हम उसे नकारते रहेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा मुद्दे से भटकाने के लिए ऐसा कर रही है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हमारे हाई कमीशन पर हमले हो रहे हैं। उसके बारे में कोई बात नहीं कर रहा। वहीं, कांग्रेस नेता पवन खेड़ा का भी बयान सामने आया है। पवन खेड़ा ने भाजपा पर हमला करते हुए साफ तौर पर कहा कि सरकार की आलोचना करना राष्ट्र की आलोचना नहीं है। सरकार को यह समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि बहस लोकतंत्र को कमजोर नहीं करती बल्कि उसे मजबूत करती है। सरकार यह नाटक कर रही है क्योंकि वह विपक्ष के सवालों से बचने की कोशिश कर रही है। खेड़ा ने कहा कि उन्हें चिंता है कि राहुल गांधी फिर से पीएम से अडानी के साथ उनके संबंधों के बारे में पूछ सकते हैं। अभी तक जेपीसी जांच नहीं हुई है, इसलिए इतना ड्रामा कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि जल्द ही उन्हें करारा जवाब मिलेगा। हम उनसे (भाजपा) यह भी सीख रहे हैं कि कैसे जवाब देना है।

खेल
प्रमुख समाचार

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच निर्णायक मुकाबला आज

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच जारी वनडे सीरीज का तीसरा और निर्णायक मैच 22 मार्च के चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा। पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया को हराने के बाद दूसरे वनडे में टीम इंडिया को करारी हार मिली थी। भारत घरेलू मैदान पर लगाकर 7 सीरीज जीत चुका है और चेन्नई में 8वीं बार ऐसा करने उतरेगा। वहीं वनडे सीरीज में कंगारू टीम पूरी तरह से अलग नजर आ रही है। भारतीय बल्लेबाजों को मिचेल स्टार्क से बच के रहना होगा। टीम इंडिया छह साल बाद एमए चिदंबरम स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उतरेगी। इस मैदान पर भारत का रिकॉर्ड मिला जुला रहा है। चेन्नई एमए चिदंबरम स्टेडियम में अब तक भारत ने 13 वनडे खेले हैं। वह इस दौरान सात मुकाबलों में जीत हासिल करने में सफल रहा। पांच में हार मिली और एक मैच में नतीजा नहीं निकला। पिछले दोनों मुकाबलों में टीम इंडिया की बल्लेबाजी फ्लॉप रही है। ऑस्ट्रेलिया के पेसरों के आगे भारतीय टॉप आर्डर टिक नहीं पाया। शुभमन गिल, रोहित शर्मा, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पंड्या जैसे बल्लेबाजों ने अब तक निराश किया है। पहले मैच में केएल राहुल ने संघर्ष किया लेकिन दूसरे वनडे में वह भी असफल रहे। सबसे बड़ी चिंता सूर्यकुमार यादव को लेकर है। सूर्या ने अबतक 22 वनडे मैचों की 20 पारियों में 25.47 की औसत से 433 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से दो अर्धशतक निकले हैं। पिछली 14 पारियों में सूर्या एक भी अर्धशतक नहीं लगा पाए और इस दौरान वह केवल पांच ही बार दहाई का आंकड़ा छू पाए हैं।

संभावित प्लेइंग 11 - रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, केएल राहुल, हार्दिक पंड्या, रवींद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर, मोहम्मद शमी, सिराज और उमरान मलिक।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 446 अंक चढ़ा निफ्टी 17100 के पार पहुंचा

नई दिल्ली। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को घरेलू शेयर बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। इस दौरान सेंसेक्स 445.73 (0.77त्न) अंकों की बढ़त के साथ 58,074.68 अंकों के लेवल पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी 119.10 (0.70त्न) अंक मजबूत होकर 17,107.50 अंकों पर पहुंच गया। मंगलवार के दिन बाजार में रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में तीन प्रतिशत की बढ़त दिखी जबकि हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर दो प्रतिशत तक टूट गए। मंगलवार के दिन घरेलू शेयर बाजार में बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में तेजी दिखी और बैंक निफ्टी इंडेक्स 1.3त्न की बढ़त के साथ 39,894 अंकों के लेवल पर बंद हुआ। इस दौरान आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के शेयर 2.5 प्रतिशत तक चढ़े।

क्रूड ऑयल प्रोडक्शन पर घटा विंडफॉल टैक्स

नईदिल्ली। ब्रेंट क्रूड की कीमतों में मंगलवार को गिरावट के बाद भारत सरकार ने क्रूड पेट्रोलियम पर विंडफॉल टैक्स घटा दिया है। सरकार ने 20 मार्च को जारी एक नोटिफिकेशन में इसकी जानकारी दी है। क्रूड ऑयल प्रोडक्शन पर विंडफॉल टैक्स 4400 रुपए प्रति टन से घटाकर 3500 रुपए प्रति टन कर दिया गया है। बता दें कि विंडफॉल टैक्स किसी विशेष कंपनी या इंडस्ट्री को हुए बड़े प्रॉफिट पर लगाया गया हाई टैक्स रेट होता है। केंद्र सरकार ने विंडफॉल टैक्स में प्रति टन 900 रुपए की कटौती की है। वहीं, दूसरी तरफ, डीजल पर एक्सपोर्ट ड्यूटी बढ़ा दी है। ताजा अपडेट के अनुसार, सरकार ने डीजल पर एक्सपोर्ट ड्यूटी 1 रुपए प्रति लीटर कर दी है, जो कि पहले 50 पैसा थी। बता दें कि पेट्रोल और एविएशन टरबाइन फ्यूल पर लगने वाले शुल्क में कोई बदलाव नहीं किया गया है। नई दरें 21 मार्च से लागू हो गई।

भारत का 20 लाख करोड़ रूपए का बिजनस संकट में

नई दिल्ली। अमेरिका और यूरोप में बैंकिंग संकट दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। अमेरिका में दो बैंक डूब चुके हैं और कई दूसरे बैंक अपना वजूद बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। यूरोप के सबसे बड़े बैंकों में से एक क्रेडिट सुइस की हालत खराब है। अब इसकी तपिश भारत में भी महसूस की जाने लगी है। इससे भारत का 245 अरब डॉलर का आईटी बिजनस प्रोसेस मैनेजमेंट इंडस्ट्री का भविष्य खतरे में है। एनालिस्ट्स का कहना है कि इस इंडस्ट्री का 41 फीसदी रेवेन्यू बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज एंड इंश्योरेंस सेक्टर से आता है। दुनिया के बड़े बैंकों के डूबने से इस सेक्टर का रेवेन्यू बुरी तरह प्रभावित हो सकता है। ये बैंक न केवल अपने मौजूदा टेक बजट में कटौती कर सकते हैं बल्कि आगे की डील्स को भी बंद कर सकते हैं। अगर बैंकिंग संकट गहराता है तो इसका सबसे ज्यादा असर टीसीएस, इन्फोसिस, विप्रो और एलटीआईमाइंडट्री पर सबसे ज्यादा असर पड़ सकता है।

एनएमडीसी ने लौह अयस्क लंप के दाम में वृद्धि की

नयी दिल्ली। देश की सबसे बड़ी लौह अयस्क खनन कंपनी एनएमडीसी ने लौह अयस्क लंप के दाम 100 रुपये प्रति टन करने की मंगलवार को घोषणा की। एनएमडीसी ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा कि लौह अयस्क फाइंस के दाम भी 200 रुपये बढ़ाकर 4,110 रुपये प्रति टन किए गए हैं। कंपनी ने कहा कि नए दाम मंगलवार से प्रभाव में आ गए हैं और इनमें अन्य प्रकार के कर एवं शुल्क शामिल नहीं हैं। लंप अयस्क और उच्च ग्रेड वाले लोहे में 65.53 प्रतिशत लौह होता है जबकि फाइंस में यह 64 फीसदी या इससे भी कम होता है। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एनएमडीसी ने इससे पहले दो फरवरी को लौह अयस्क 'लंप' एवं 'फाइंस' के दाम तत्काल प्रभाव से बढ़ाकर 4,400 प्रति टन करने की घोषणा की थी।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था में उथलपुथल का हम पर प्रभाव नहीं पड़ेगा

प्रहलाद सबनानी

अमेरिकी वित्तीय क्षेत्र में बैंकों पर भारी संकट आ गया है। अभी तक दो बैंक (सिलिकॉन वैली बैंक एवं सिग्नेचर बैंक) बंद हो चुके हैं और 6 अन्य छोटे आकार के बैंकों (फर्स्ट रिपब्लिक बैंक, वेस्टर्न अलाइन्स बैंक, पैकवेस्ट, यूएमबी फायनैन्शल सहित) पर गम्भीर संकट बना हुआ है। इन बैंकों में रोकड़ एवं तरलता की गम्भीर समस्या उत्पन्न हो गई है एवं इनके पास अपने जमाकर्ताओं को भुगतान करने के लिए पर्याप्त राशि उपलब्ध नहीं है। इन बैंकों के शेयरों की कीमत पूंजी बाजार में 14 से 30 प्रतिशत के बीच गिर चुकी है।

एक आकलन के अनुसार अमेरिका के 160 बड़े बैंकों (जिनके पास 500 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक राशि की आस्तियां हैं) को 20,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुक्सान हुआ है। अमेरिका की रेटिंग संस्थाओं स्टैंडर्ड एंड पूअर्स एवं फिच ने कुछ बैंकों की रेटिंग घटाकर जंक श्रेणी में डाल दी है क्योंकि यह बैंक अपने जमाकर्ताओं को राशि वापस करने की स्थिति में नहीं हैं। अमेरिका के सबसे बड़े बैंकों को भी भारी आर्थिक समस्या का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि इनके अमेरिकी बांड्स में किए गए निवेश की बाजार कीमत कम हो गई है। सिटी बैंक समूह को 4,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर, बैंक आफ अमेरिका को 2,120 करोड़ अमेरिकी डॉलर, जेपी मोर्गन चेज को 1,730 करोड़ अमेरिकी डॉलर, टरुइस्ट फायनैन्शल को 1,360 करोड़ अमेरिकी डॉलर, वेल्ज फार्गो को 1,340 करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं यूएस बैंक कॉर्प को 1,140 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुक्सान हुआ है। यह सभी बड़े बैंक हैं अतः इस नुक्सान को सहन कर जाएंगे परंतु छोटे

बैंक तो असफल (फैल) ही हो जाने वाले हैं।

अब यहां प्रश्न यह खड़ा हो रहा है कि अमेरिका सहित अन्य विकसित देशों की बैंकों के सामने आए इस वित्तीय संकट का प्रभाव क्या भारतीय बैंकों पर भी पड़ेगा। इसके उत्तर में स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है कि भारत में चूंकि केंद्र सरकार एवं भारतीय रिजर्व बैंक ने पूर्व में ही कई निम्नलिखित निर्णय लिए हैं जिसके चलते भारतीय बैंकों की वित्तीय स्थिति इस संदर्भ में बहुत सुदृढ़ हो गई है।

बैंकिंग उद्योग किसी भी देश में अर्थ जगत की रीढ़ माना जाता है। बैंकिंग उद्योग में आ रही परेशानियों का निदान यदि समय पर नहीं किया जाता है तो आगे चलकर यह समस्या उस देश के अन्य उद्योगों को प्रभावित कर, उस देश के आर्थिक विकास की गति को कम कर सकती है। इसलिए पिछले 8 वर्षों के दौरान केंद्र सरकार ने बैंकों की लगभग हर तरह की समस्याओं के समाधान हेतु कई ईमानदार प्रयास किए हैं। गैरनिष्पादनकारी आस्तियों से निपटने के लिए दिवाला एवं दिवालियापन संहिता लागू की गई है। देश में सही ब्याज दरों को लागू करने के उद्देश्य से मौद्रिक नीति समिति बनायी गई है। साथ ही, केंद्र सरकार ने इंद्रधनुष योजना को लागू करते हुए, सरकारी क्षेत्र के बैंकों को 3.10 लाख करोड़ रुपए से अधिक की पूंजी उपलब्ध करायी है। साथ ही, दिनांक 30 अगस्त 2019 को देश की वित्त मंत्री माननीया श्रीमती निर्मला सीतारमण ने बैंकिंग क्षेत्र को और अधिक मजबूत बनाए जाने के उद्देश्य से सरकारी क्षेत्र के बैंकों के आपस में विलय की घोषणा की थी। सरकारी क्षेत्र के बैंकों की, समेकन के माध्यम से, क्षमता अनवरोधित (अनलाक) करने के उद्देश्य से ही सरकारी क्षेत्र के बैंकों के आपस में विलय की घोषणा की गई थी। इन बैंकों के विलय में इस बात का विशेष ध्यान रखा गया था कि इनके विलय से किसी भी ग्राहक को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी ना हो, ये तकनीक के लिहाज से एक ही प्लैट्फार्म पर हों, इन बैंकों की संस्कृति एक ही हो तथा इन बैंकों के व्यवसाय में वृद्धि दृष्टिगोचर हो। वर्ष 2017 में भारत में सरकारी क्षेत्र के 27 बैंक थे लेकिन इनके आपस में विलय के बाद अब केवल 12 सरकारी क्षेत्र के बैंक रह जाएंगे। इस प्रकार देश में सरकारी क्षेत्र के बैंकों को अगली पीढ़ी के बैंकों का रूप दिया जा रहा है। उक्त विलय के बाद इन सरकारी क्षेत्र के बैंकों के बड़े हुए आकार ने इन बैंकों की ऋण प्रदान करने की क्षमता में अभितपूर्व वृद्धि की है।

सवाल निर्वाचन आयोग की स्वायत्तता का

जयसिंह रावत

सुप्रीम कोर्ट की 5 सदस्यीय संविधान पीठ ने आखिरकार निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिये निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति की सरकारी व्यवस्था को बदलने का ऐतिहासिक फैसला ले ही लिया। मौजूदा व्यवस्था की खामियों के कारण निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता पर तो सवाल उठते ही रहे साथ ही इसकी विश्वसनीयता भी सवालों के घेरे में रही। आयोग में टीएन सेषन जैसे विरले ही मुख्य निर्वाचन आयुक्त आए जिन्होंने अपनी निष्पक्षता से आयोग की गरिमा और विश्वसनीयता पर आंच नहीं आने दी। आज हालत यह है कि अगर आयोग सचमुच निष्पक्षता से फैसले लेता भी है तो भी उस पर उंगली उठ ही जाती है, क्योंकि सरकारी नियंत्रण और सत्ताधारी दलों की कारगुजारियों पर से नजर फेर देने की मजबूरी के कारण उसकी विश्वसनीयता का ह्रास होता गया है। आयोग आज केवल एक सरकारी विभाग की तरह ही काम करता है, जिसके मालिक सरकार और परोक्ष रूप से सत्ताधारी दल ही होता है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। हम अपने लोकतांत्रिक सिद्धान्तों की दुहाई देते नहीं थकते, लेकिन हमारे लोकतंत्र पर घुन की तरह लगे राजनीतिक भ्रष्टाचार की ओर आंखें फेर देते हैं। जब तक राजनीतिक भ्रष्ट आचरण पर रोक नहीं लगती तब तक भारत में फैले भ्रष्टाचार से मुक्ति नहीं मिल सकती। इसी तरह जब तक चुनाव व्यवस्था में सुधार नहीं होता और जब तक निर्वाचन आयोग में सुधार नहीं आता तब तक राजनीतिक भ्रष्टाचार से मुक्ति नहीं मिल सकती।

देखा जाए तो भ्रष्टाचार की गंगोत्री चुनाव से ही बहनी शुरू होती है। मसलन निर्वाचन आयोग ने लोकसभा चुनाव में बड़े राज्यों के प्रत्याशियों के लिये खर्च की सीमा 95 लाख और छोटे राज्यों के लिये 75 लाख तय कर रखी है। कौन नहीं जानता कि बिना धन बल के चुनाव जीतना नामुमकिन है। लोकसभा चुनाव में एमपी बनने के लिये करोड़ों रुपये खर्च करने होते हैं। पानी की तरह शराब बहानी होती है। अब तो वोटरों को भी सीधे वोट के बदले नोट देने की शिकायतें आम हो गई हैं। चुनाव में 95 लाख या 75 लाख के अलावा करोड़ों की धन राशि कहां से आती है और कहां चली जाती है। यह खुला रहस्य किसी से भी इसलिए नहीं छिपा रह सकता क्योंकि इस हमाम में डुबकी लगाए बिना चुनाव जीतना संभव नहीं है और देश में भ्रष्टाचार और अनाचार की यही असली जड़ है। निर्वाचन आयोग विपक्ष के उम्मीदवारों पर नजर तो रखता है मगर सत्ताधारियों पर उसकी नजर नहीं पड़ती। जो लोग अनुचित तरीकों से सत्ता में आएंगे उनसे सदाचार की अपेक्षा कैसे की जा सकती है?

निर्वाचन आयोग की नकेल अपने हाथ में रखने की प्रवृति ही गलत नीयत की निशानी है। अगर सरकारें सचमुच स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव चाहती हैं तो फिर स्वतंत्र निर्वाचन आयोग से डर क्यों? जब सीबीआई के निदेशक की नियुक्ति एक कमेटी के द्वारा कराई जा सकती है तो फिर निर्वाचन आयोग के सदस्यों की नियुक्ति एक निष्पक्ष और स्वतंत्र व्यवस्था के तहत क्यों नहीं? सीबीआई एक सरकारी विभाग है, कोई संवैधानिक संस्था नहीं। यही नहीं केन्द्र और राज्यों के सूचना आयोगों के सदस्यों के लिए भी एक सक्षम और स्वतंत्र कमेटी के गठन की व्यवस्था है। लोकतंत्र की मजबूती और उसके लिए चुनाव व्यवस्था की सुचिता के लिये काफी पहले से बहस चलती रही है और उन बहसों के फलस्वरूप चुनाव सुधार हेतु कमेटियों का गठन भी होता रहा है और समितियों की सिफारिशों पर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाते रहे हैं। 1990 में दिनेश गोस्वामी कमेटी ने सिफारिश की थी कि राजनीतिक दलों को चुनाव आयोग के साथ पंजीकरण कराना चाहिए और अपने धन के स्रोतों का खुलासा करना चाहिए।

शक्ति उपासना का पर्व नवरात्र

प्रो. अश्विनी केशरवानी

नवरात्रि पर्व- नौ दिन तक देवियों की पूजा-अर्चना का सात्विक पर्व, ग्रामदेवी, इष्टदेवी और कुलदेवी को प्रसन्न करने का पर्व। शक्ति साधक जगत की उत्पत्रि के पीछे ''शक्ति'' को ही मूल तत्व मानते हैं और माता के रूप में उनकी पूजा करते हैं। समस्त देव मंडल शक्ति के कारण ही बलवान है, उसके बिना वे शक्तिहीन हो जाते हैं। यहां तक कि सृष्टि के निर्माण में शक्ति ईश्वर की प्रमुख सहायिका होती हैं। शक्ति ही समस्त तत्वों का मूल आधार है। शक्ति को समस्त लोक की पालिका-पोषिता माना गया है। वह प्रकृति का स्वरूप है। इस प्रकार शाक्तों अथवा शक्ति पूजकों ने प्रकृति की सृजनात्मक शक्ति को पारलौकिक पवित्रता और ब्रह्मवादिता प्रदान की है। अत: शक्ति सृजन और नियंत्रण की पारलौकिक शक्ति है। वह समस्त विश्व का संचालन भी करती है। इसीकारण वह जगदंबा और जगन्माता है। छत्तीसगढ़ में शिवोपासना के साथ शक्ति उपासना प्राचीन काल से प्रचलित है। कदाचित इसी कारण शिव भी शक्ति के बिना शव या निष्क्रिय बताये गये हैं। योनि पट्ट पर स्थापित शिवलिंग और अर्द्धनारीश्वर स्वरूप की कल्पना वास्तव में शिव-शक्ति या प्रकृति-पुरूष के समन्वय का परिचायक है। मनुष्य की शक्तियों को प्राप्त करने की इच्छा शक्ति ने शक्ति उपासना को व्यापक आयाम दिया है। मनुष्य के भीतर के अंधकार और अज्ञानता या पैशाचिक प्रवृत्तियों से स्वयं के निरंतर संघर्ष और उनके उपर विजय का संदेश छिपा है। परिणामस्वरूप दुर्गा, काली और महिषासुर मर्दिनी आदि देवियों की कल्पना की गयी जो भारतीय समाज के लिए अजस्र शक्ति की प्रेरणास्रोत बनीं। शैव धर्म के प्रभाव में वृद्धि के बाद शक्ति की कल्पना को शिव की शक्ति उमा या पार्वती से जोड़ा गया और यह माना गया कि स्वयं उमा, पार्वती या अम्बा समय समय पर अलग अलग रूप ग्रहण करती हैं। शक्ति समुच्चय के विभिन्न रूपों में महालक्ष्मी, महाकाली और महासरस्वती प्रमुख बतायी गयी हैं। देवी माहात्म्य में महालक्ष्मी रूप में देवी को चतुर्भुजी या दशभुजी बताया गया है और उनके हाथों में त्रिशूल, खेटक, खड्ग, शक्ति, शंख, चक्र, धनुष तथा एक हाथ में वरद मुद्रा व्यक्त करने का उल्लेख मिलता है। देवी के वाहन के रूप में सिंह (दुर्गा, महिषमर्दिनी, उमा), गोधा (गौरी, पार्वती), पद्म (लक्ष्मी), हंस (सरस्वती), मयूर (कौमारी), प्रेत या शव (चामुण्डा) गर्दभ (शीतला) होते हैं।

देवी की मूर्तियों को मुख्यत: सौम्य तथा उग्र या संहारक रूपों में बांटा जा सकता है। संहारक रूपों में देवी के हाथों में त्रिशूल, धनुष, बाण, पाश, अंकुश, शंख, चक्र, खड्ग और कपाल जैसे आयुध होते हैं। उनका दूसरा हाथ अभय या वरद मुद्रा में होता है। इसी प्रकार संहारक रूपों में अभय या वरद मुद्रा देवी के सर्वकल्याण और असुरों एवं दुष्टात्माओं के संहार द्वारा भक्तों को अभयदान और इच्छित वरदान देने का भाव व्यक्त होता है। उग्र रूपों में महिषमर्दिनी, दुर्गा, काली, चामुण्डा, भूतमाता, कालरात्रि, रौद्री, शिवदूती, भैरवी, मनसा एवं चौसठ योगिनी मुख्य हैं। देवी के सौम्य रूपों में लक्ष्मी एवं क्षमा (पद्माधारिणी), सरस्वती (वीणाधारिणी), गौर, पार्वती और गंगा-यमुना (कलश और पद्माधारिणी) तथा अन्नपूर्णा प्रमुख हैं। भारतीय शिल्प में लगभग सातवीं शताब्दी के बाद से शक्ति के विविध रूपों का शिल्पांकन मिलता है। इसके उदाहरण खजुराहो, भुवनेश्वर, भेड़ाघाट, हिंगलाजगढ़, हीरापुर, एलोरा, कांचीपुरम्, महाबलीपुरम्, तंजौर, बेलूर, सोमनाथ आदि जगहों में मिलता है। हमारे देश में गंगा, यमुना, नवदुर्गा, द्वादश गौरी, पार्वती, महिषमर्दिनी, सप्तमातृका, सरस्वती एवं लक्ष्मी की मर्तियों की पूजा अर्चना प्रचलित है।

दुर्गासप्तमी एवं पुराणों में दुर्गा के नौ रूपों क्रमश: शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघण्टा, कूष्माण्डी, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी एवं सिद्धदात्री का उल्लेख मिलता है। भारतीय शिल्प में सभी नौ दुर्गा के अलग अलग उदाहरण नहीं मिलते लेकिन चतुर्भुजा या अधिक भुजाओं वाली सिंहवाहिनी की मूर्ति खजुराहो के लक्ष्मण और विश्वनाथ मंदिर में, एलोरा, हिंगलाजगढ़, महाबलीपुरम् एवं ओसियां में मिले हैं। दुर्गा का एक विशेष रूप चित्तौड़गढ़ में मिला है जो क्षेमकरी के रूप में भारतीय शिल्प में लोकप्रिय था। दक्षिण भारत के मंदिरों में द्वादश गौरी की मूर्ति मिलती है जिनमें प्रमुख रूप से उमा, पार्वती, रम्भा, तोतला और त्रिपुरा उल्लेखनीय है। द्वादश गौरी के नाम और उनके आयुध निम्नानुसार है:-

1. उमा:- अक्षसूत्र, पद्म, दर्पण, कमंडलु। 2. पार्वती:- वाहन सिंह और दोनों पार्श्वों में अग्निकुण्ड और हाथों में अक्षसूत्र, शिव, गणेश और कमंडलु। 3. गौरी:- अक्षसूत्र, अभय मुद्रा, पद्म और कमण्डलु। 4. ललिता:- शूल, अक्षसूत्र, वीणा तथा कमण्डलु। 5. श्रिया:- अक्षसूत्र, पद्म, अभय मुद्रा, वरद मुद्रा। 6. कृष्णा:- अक्षसूत्र, कमण्डलु, दो हाथ अंजलि मुद्रा में तथा चारों ओर पंचाग्निकुंड। 7. महेश्वरी:- पद्म और दर्पण। 8. रम्भा:- गजारूढ़, करों में कमण्डलु, अक्षमाला, वज्र और अंकुश। 9. सावित्री:- अक्षसूत्र, पुस्तक, पद्म और कमण्डलु। 10.त्रिपण्डा या श्रीखण्डा:- अक्षसूत्र, वज्र, शक्ति और कमण्डलु। 11. तोतला:- अक्षसूत्र, दण्ड, खेटक,चामर। 12. त्रिपुरा:- पाश, अंकुश, अभयमुद्रा और वरदमुद्रा।

द्वादश गौरी के सामूहिक उत्कीर्णन का उदाहरण मोढेरा के सूर्य मंदिर की वाह्यभित्ति की रथिकाओं में देखा जा सकता है। अभी केवल दस आकृतियां ही सुरक्षित हैं। इसी प्रकार हिंगलाजगढ़ में द्वादश रूपों में केवल नौ रूप की दृष्टव्य है। परमार कालीन ये मूर्तियां वर्तमान में इंदौर के संग्रहालय में सुरक्षित हैं। ऐलोरा से पार्वती की 14 मूर्तियां मिली हैं जिनमें रावणनुग्रह, शिव के साथ चौपड़ खेलती पार्वती और स्वतंत्र मूर्तियां मिली हैं। इसीप्रकार भुवनेश्वर में महिषमर्दिनी की 21, ऐलोरा में 10, खजुराहो, वाराणसी और छत्तीसगढ़ के चैतुरगढ़ और मदनपुरगढ़ में मूर्तियां हैं।

देवी पूजन की परंपरा मुख्यत: दो रूपों में मिलती है- एक मातृदेवी के रूप में और दूसरी शक्ति के रूप में। प्रारंभ में देवी की उपासना माता के रूप में अधिक लोकप्रिय थी। पुराणों में दुर्गा स्तुतियों में जगन्माता या जगदम्बा स्वरूप की अवधारणा में देवी के माता स्वरूप का स्पष्ट संकेत मिलता है। भारत, मिस्र, मेसोपोटामिया, यूनान और विश्व की प्राचीन सभ्यताओं में धर्म की अवधारणा के साथ ही मातृपूजन की परंपरा आरंभ हुई। सृष्टि की निरंतरता बनाये रखने में योगदान के कारण ही मातृ देवियों का पूजन प्रारंभ हुआ। माता की प्रजनन शक्ति जो सभ्यता की निरंतरता का मूलाधार है, मातृदेवी के रूप में उनके पूजन का मुख्य कारण रही है। सिंधु सभ्यता के समय से मातृदेवियों की पूजा प्रचलित थी। शक्ति वस्तुत: क्रियाशीलता का परिचायक और उसी का मूर्तरूप है। शक्ति पूजन के अंतर्गत विभिन्न देवताओं की क्रियाशीलता उनकी शक्तियों में निहित मायी गयी। तदनुरूप सभी प्रमुख देवताओं की शक्तियों की कल्पना की गयी। देवताओं की शक्तियों की कलपना सांख्यदर्शन की प्रकृति और पुरूष तथा दोनों के अंतरावलंबन के भाव से संबंधित है। इसी कारण शिव भी शक्ति के बिना शव या निष्क्रिय बताये गये हैं। योनिपट्ट पर स्थापित शिवलिंग और अर्द्धनारीश्वर स्वरूप की परिकल्पना वस्तुत: शिवशक्ति या प्रकृति पुरूष की समन्वय का परिचायक है। मनुष्य की विभिन्न प्रकार की शक्तियों को प्राप्त करने की अनंत इच्छा ने शक्ति की उपासना को व्यापक आयाम दिया है।

प्रसंग

खुद की बस्ती दूकां नहीं है

संत इब्राहीम फकीर बनने के बाद शहर से दूर एक झोपड़ी बनाकर रहने लगे। जब वहाँ से जाते, तो उनसे बस्ती का रास्ता पूछते। वे सामने की ओर इशारा कर देते। कोई पूछता, क्या यह दूसरा रास्ता बस्ती की ओर नहीं जाता ? तो वे कहते, नहीं, नहीं जाता। लेकिन वे लोग जब उनके बताये रास्ते से आगे बढते, तो श्मशान में पहुँच आते। आखिर लौटकर मन ही मन संत को कोसते हुए दूसरे रास्ते से आगे बढ़ जाते।

लेकिन एक दिन एक मुसाफिर को गुस्सा आ गया और उसने लौटकर संत को भला कहना शुरू किया। तब इब्राहीम उससे शांत भाव से बोले, अरे भाई, मरघट क्या बस्ती नहीं है? तुम जिसे बस्ती कहते हो, वहाँ रोज एक न एक मौत होती रहती हैं, तब वह घर क्या उजड़ नहीं जाता? उन उजड़े घरों से ही तो मरघट में बस्ती बन गयी है। लेकिन इस बस्ती में जो एक बार बस गया, वह हमेशा के लिए वहाँ बस जाता है। उसे वहाँ से हटने की जरूरत नहीं होती। इसलिए क्या यह बस्ती नहीं हुई? मैंने इसीलिए तुम्हें बस्ती का रास्ता बताया था, लेकिन तुम बुरा मान गये। यह सुन मुसाफिर चुप हो और बिना कुछ बोले वह दूसरे रास्ते से आगे बढ़ गया।

आज की महत्वपूर्ण घटनाएं

1995 अंतरिक्ष में 437 दिनों के बाद मीर अंतरिक्ष स्टेशन से रवाना हुए सोयुज के रूसी कॉस्मोनॉट वैलेरी पॉलाकोव ने सबसे लंबे समय तक अंतरिक्ष यान की स्थापना की।
1997 यूनाइटेड स्टेट्स के तारा लिपिंस्की ने लुसाने में लेडीज फिगर स्केटिंग चैंपियनशिप जीती।
2002 ब्रिटेन में गले के नीचे पूरे शरीर में लकवे से ग्रस्त एक महिला को इच्छा मृत्यु का अधिकार दिया गया।
2006 ईटीए आतंकवादी समूह स्पेन में युद्ध विराम की घोषणा करता है।
2007 पाकिस्तान ने हत्फ़-7 मिसाइल का परीक्षण किया।
2010 2010 की स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा सुलह अधिनियम यू.एस. हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव द्वारा पारित किया गया है।
2011 फुकुशिमा डू न्यूक्लियर पावर प्लांट विकिरण के स्तर की रिपोर्ट करता है 1600 बार सामान्य स्तर संयंत्र से 20 किमी मौजूद हैं।
2012 200,000 से अधिक लोग मॉन्ट्रियल, कनाडा में माध्यमिक शिक्षा ट्यूशन बढ़ोतरी के विरोध में मार्च करते हैं।
2013 ब्रिटिश फूड स्टैंडर्ड्स एजेंसी ने हंगरी से आयात किए गए 100 किलोग्राम घोड़े के मांस के लंकाशायर में एक खोज की रिपोर्ट की, जिसे बीफ कहा गया।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

मैत्रेय्युपनिषद् (भाग-06)

गतांक से आगे...

(मैं) हृदय की ग्रन्थि से रहित हूँ तथा हृदय कमल के मध्य में रहने वाला भी हूँ। मैं (जन्म, अस्तित्व, विपरिणमन, विकास, अपक्षय और विनाश) छ: विकारों से रहित, चर्म आदि छ: कोशों (चर्म, मांस, रक्त, माड़ी, मेद और मज्जा) से रहित तथा काम, क्रोधादि षड् रिपुओं से हीन हूँ और नितान्त अन्त: स्थान में रहने वाला हूँ।

मैं देश और काल से रहित हूँ, दिगम्बर एवं आनन्द स्वरूप हूँ। यह नहीं है, यह नहीं है - इससे मैं मुक्त हूँ अर्थात् मैं अभावशून्य हूँ तथा नकार से रहित भी मैं ही हूँ।

मैं अखण्ड आकाश स्वरूप हूँ, अखण्डाकार भी मैं ही हूँ, मैं सांसारिक प्रपञ्चों से परे चित्त वाला हूँ तथा संसार प्रपञ्चादि से रहित हूँ। मैं सर्वप्रकाश स्वरूप हूँ तथा चैतन्य रूपी ज्योति भी मैं ही हूँ। तीनों कालों से परे अर्थात् मुक्त हूँ एवं मैं काम-क्रोधादि से रहित हूँ। मैं देह अदेह (शरीर अशरीर) से मुक्त हूँ, निर्गुण हूँ तथा मैं केवल एक हूँ मुक्ति रहित होते हुए भी मुक्त हूँ तथा मैं सदैव मोक्षरहित हूँ।

(मैं) सत्य-असत्य से रहित हूँ, केवल मैं ही सत्य स्वरूप से (भिन्न) सभी कालों में नहीं हूँ। मैं गमनागमन से रहित हूँ अर्थात् मुझे कहीं जाना अथवा न जाना नहीं है एवं मेरा गन्तव्य (जाने का स्थान) भी नहीं है।

(मैं) सर्वदा समरूप एवं शान्त परमात्मा (पुरुषोत्तम) हूँ। जिसका इस प्रकार से स्वानुभव है, वह (ब्रह्म) निश्चित ही मैं हूँ। इसमें किसी भी तरह का संशय नहीं है।

जो (मनुष्य) एक बार भी इस (मैत्रेयी) उपनिषद् का श्रवण करता है, वह स्वयं ब्रह्म ही हो जाता है। ऐसी ही यह उपनिषद् है ।

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को प्रारम्भ होता है हिंदू नववर्ष

मृत्युंजय दीक्षित

हम सामान्य रूप से एक जनवरी को बड़ी धूमधाम से नववर्ष मनाते हैं लेकिन हिंदूधर्म का नववर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को प्रारम्भ होता है। हिंदी पंचांग, ज्योतिष और धार्मिक एवं सामाजिक आधार पर भी इस तिथि और चैत्र माह का विशेष महत्व है। वैज्ञानिक मान्यता यह है कि हिंदू पंचांग व कालगणना अधिक वैज्ञानिक व प्राचीन है।

भारतीय ज्योतिष विज्ञान के अनुसार सृष्टि के आरम्भ से अब तक 1 अरब 95 करोड़ 58 लाख 85 हजार 99 वर्ष से अधिक बीत चुके हैं। आधुनिक वैज्ञानिक भी सृष्टि की उत्पत्ति का समय एक अरब वर्ष से अधिक का बता रहे हैं। भारत में कई प्रकार से कालगणना की जाती है। युगाब्द (कलियुग का प्रारंभ), श्रीकृष्ण संवत, विक्रमी संवत, शक संवत

आदि।

हिंदू नववर्ष के दिन जहां हिंदू घरों में नवरात्रि के प्रारम्भ के अवसर पर कलश स्थापना की जाती है घरों में पताका ध्वज आदि लगाये जाते हैं तथा पूरा नववर्ष सफलतापूर्वक बीते इसके लिए अपने इष्ट, गुरु, माता-पिता सहित सभी बड़ों का आशीर्वाद लिया जाता है। चैत्र माह के हर दिन का अपना अलग ही विशेष महत्व है। शुक्लपक्ष में अधिकांश देवी देवताओं के पूजने व उन्हें याद करने का दिन निर्धारित है। शुक्ल पक्ष की तृतीया को उमा शिव की पूजा की जाती है, वहीं चतुर्थी तिथि को गणेश जी की। पंचमी तिथि को लक्ष्मी जी तथा नागपूजा की जाती है। शुक्लपक्ष की षष्ठी तिथि को स्वामी कार्तिकेय की पूजा की जाती है। सप्तमी को सूर्यपूजन का विधान है। अष्टमी के दिन मां दुर्गा की पूजन और ब्रहमपुत्र नदी में स्नान करने का अपना अलग ही महत्व है इस दिन असोम में ब्रहमपुत्र नदी के घाटों पर स्नानार्थियों की भारी भीड़ उमड़ती है। नवमी के दिन भद्रकाली की पूजा की जाती है।

वर्ष प्रतिपदा का दिन ऋतु परिवर्तन का भी प्रतीक है। इस समय चारों ओर पीले पुष्पों की सुगंध भरी होती है, नयी फसलें भी पककर तैयार हो जाती हैं जिसके कारण ग्रामीण परिवेश में नयी खुशियों और नवजीवन का संचार होता है। नक्षत्र शुभ स्थिति में होते हैं किसी भी कार्य को प्रारम्भ करने का शुभ समय चैत्र शुक्ल प्रतिपदा ही होता है। कहा जाता है कि इसी दिन सूर्योदय से ब्रहमा जी ने जगत् की रचना प्रारम्भ की। 2078 वर्ष पहले समाट विक्रमादित्य ने अपना राज्य स्थापित किया था। जिनके नाम पर विक्रमी सम्वत् आरम्भ हुआ, कहा जाता है कि उनके राज्य में न तो कोई चोर था और नही कोई भिखारी। इसी दिन लंका विजय करके अयोध्या वापस आने पर प्रभु श्रीराम का राज्याभिषेक हुआ था अत: यह दिन श्रीराम के राज्याभिषेक दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। स्वामी दयानंद सरस्वती ने इसी दिन आर्य समाज की स्थापना करी थी। सिंध प्रांत के समाज रक्षक वरूणावतार संत झूलेलाल भी इसी दिन प्रकट हुये अत: यह दिन सिंधी समाज बड़े ही उत्साह के साथ मनाता है।

चीन से मुकाबले की रणनीति, क्वाड में भारत की बढ़ती भूमिका

प्रशांत दीक्षित

जब चतुर्भुज सुरक्षा संवाद (क्वाड) की शुरुआत की गई थी, तब इसे अनिवार्य रूप से राजनयिकों में बढ़ती सैन्य व्यवस्था और व्यापक रूप से चीन की बढ़ती आर्थिक एवं सैन्य क्षमता के मद्देनजर उसकी बढ़ती शत्रुता की प्रतिक्रिया के रूप में देखा गया था। हालांकि इसके केंद्र में चीनी हकूमत द्वारा दक्षिण चीन सागर के बड़े इलाकों पर किया जा रहा दावा था, क्योंकि चीन दक्षिण चीन सागर के आसपास के कई दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के क्षेत्रीय अधिकारों को खत्म करना चाहता है। इस लिहाज से मौजूदा परिस्थितियों में क्वाड में भारत की बढ़ती भूमिका का एक बड़ा महत्व है।

गौरतलब है कि 2007 में पूर्व जापानी प्रधानमंत्री शिंजो आबे द्वारा ऑस्ट्रेलियाई पूर्व प्रधानमंत्री जॉन हार्वर्ड, पूर्व भारतीय प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और पूर्व अमेरिकी उपराष्ट्रपति डिक चेनी के समर्थन से चतुर्भुज सुरक्षा संवाद (क्वाड) की स्थापना की गई थी। अमेरिका ने जब इस अभियान के नेतृत्व की भूमिका संभाली, तो उसने भारत-अमेरिका रक्षा के लिए नए फ्रेमवर्क पर हस्ताक्षर करने के साथ ही सैन्य संबंधों, रक्षा उद्योग और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और %समुद्री सुरक्षा सहयोग ढांचे% की स्थापना के लिए भारत के साथ सहयोग बढ़ाया। इसके बाद भारत और अमेरिका के बीच बड़े पैमाने पर कई संयुक्त सैन्य अभ्यास हुए।

आतंकवाद और परमाणु प्रसार का मुकाबला करने के लिए अमेरिकी वैश्विक रणनीति को बढ़ावा देने के लिए सहस्राब्दी की शुरुआत से ही जापान और ऑस्ट्रेलिया इस रणनीतिक गठबंधन में शामिल हो गए थे, हालांकि सहभागी देशों को कोरिया से

ऑस्ट्रेलिया तक फैले प्रशांत महासागर पर रणनीतिक गारंटी की पूरी उम्मीद थी। संक्षेप में गठबंधन का बड़ा उद्देश्य समुद्री संचार मार्गों में हस्तक्षेप को रोकना था।

लेकिन 2010 से थोड़ा पहले ऑस्ट्रेलियाई सरकार के पीछे हटने से यह व्यवस्था टूट गई, और शीर्ष स्तर पर संवाद की फिर से बहाली 2021 में पिछले चार वर्षों से चल रही गतिविधि के चरम पर फलीभूत हुई। क्वाड सदस्यों द्वारा एक स्पष्ट घोषणा में मुक्त हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए साझा दृष्टिकोण को बढ़ावा देने का उल्लेख किया और पूर्व एवं दक्षिण चीन सागर में एक नियम-आधारित समुद्री व्यवस्था की हिमायत की। उनके मुताबिक, चीनी समुद्री दावों का मुकाबला करने के लिए यह जरूरी था।

चीनी शासन ने इसका जोरदार विरोध किया था और इसे एशियाई नाटो कहा था, जो विशेष रूप से चीन का मुकाबला करने के लिए बना है। भारतीय विदेश मंत्री ने इन आरोपों का खंडन किया था, और इसे नाटो कहकर भ्रम फैलाने को झूठ करार दिया था। वर्ष 2022 में आयोजित कई कार्यकारी स्तर की बैठकों में भारतीय प्रतिनिधियों ने यह स्पष्ट करने की कोशिश की कि क्वाड %किसी के खिलाफ% (अर्थात चीन) नहीं है, बल्कि %कुछ चीजों के खिलाफ% है।

चीन पर नजर रखने वाले कई भारतीय प्रेक्षकों ने इसे भारतीय अभिव्यक्ति की मधुरता के रूप में देखा, जबकि कई लोगों ने सवाल उठाया कि अगर यह चीन के खिलाफ नहीं है, तो फिर इसके गठन का मकसद क्या है?

हमें चीन के साथ सीमा विवादों के समाधान के संदर्भ में भारत द्वारा सामना किए जा रहे रणनीतिक परिदृश्यों की जांच करनी चाहिए। हमें ध्यान रखना चाहिए कि चीन के साथ 1962 से चल रहे कई पुराने विवाद अभी सुलझे नहीं है, जबकि 2020 के बाद कई नए विवाद सामने आ गए हैं, जैसे गलवान की घटना। इन नए विवादों के त्वरित समाधान के लिए भारत सरकार अपने रवैये में लचीलापन व्यक्त करना चाहती है। हालांकि केंद्र सरकार के शीर्ष स्तर से यह दावा किया गया है कि भारतीय क्षेत्र में कोई घुसपैठ नहीं हुई है। इसलिए अपने रवैये में नरमी रखते हुए भारत को एक व्यापक दृष्टिकोण अपनाना पड़ा।

चूंकि इधर के घटनाक्रम में रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध खत्म होता नहीं दिख रहा है, इसलिए भारत को दो अलग-अलग समूहों (अमेरिका एवं उसके सहयोगी और रूस एवं चीन के बीच मजबूत गठजोड़) के बीच अपनी स्थिति संतुलित करने की जरूरत थी। चूंकि भारत के आर्थिक हित और सामरिक उद्देश्य एक-दूसरे से गहराई से जुड़े थे, इसलिए संयम ही अकेला समाधान प्रतीत होता था। अत: भारत ने जोर-शोर से युद्ध की जरूरत को खारिज किया। ऐसा दृष्टिकोण भारत के व्यापक हित में है और स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में इसके विकास के बाद से जारी नीतियों के अनुरूप भी है। इस संदेश का वैश्विक असर हुआ। राष्ट्र ऐसे सुविचारित रुख अपनाने के लिए जाने जाते हैं, जिसमें सभी जोखिम शामिल होते हैं, हालांकि लोकतांत्रिक देशों में रणनीतिक निर्णयों को जनता से साझा करने की आवश्यकता होती है।

दूसरी ओर भारत ने क्वाड के सदस्यों के साथ सैन्य अभ्यास करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है, जो सही मायने में गठबंधन की रणनीतिक प्रकृति का प्रदर्शन करता है। भारत जापान, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया के साथ-साथ प्रशांत क्षेत्र के 26 देशों के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास कर चुका है। जापान ने 2022 में मालाबार नौसेना अभ्यास में ऑस्ट्रेलिया, भारत और अमेरिका की मेजबानी की। इस वर्ष मालाबार शृंखला अभ्यास की 26वीं पुनरावृत्ति है, जो अमेरिका और भारत के बीच 1992 में शुरू हुई थी। इस अभ्यास का दायरा और इसमें साझेदारी बढ़ी है, और अब इसमें जापान एवं ऑस्ट्रेलिया भी शामिल हैं। भारतीय सैन्य कूटनीति भारत के रणनीतिक रुख का एक बहुत ही शक्तिशाली सहायक है, लेकिन इन बारीकियों को समझाने की जरूरत है। हालांकि भारत ने अपने आर्थिक हितों और रणनीतिक उद्देश्यों को बहुत ही शानदार ढंग से दुनिया के सामने रखा है, लेकिन बेहतर होगा कि भारत सरकार अपने रुख को थोड़ा और स्पष्ट करे। पाकिस्तान को छोड़कर सार्क के सभी सदस्य देशों के साथ भारत की नियमित पारस्परिक यात्राएं होती हैं। नेपाल के साथ हमारे संबंध बहुत खास हैं, क्योंकि पारस्परिक व्यवहार में सेना प्रमुखों को दूसरे देश में मानद पद प्राप्त होता है। भारत सार्क देशों (पाकिस्तान को छोड़कर) के जवानों के लिए सैन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करता है।

गांधी आज

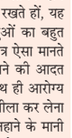

शारीरिक स्वच्छता

शारीरिक स्वच्छता के विषय में हिन्दुस्तान की कुछ जातियों ने तो ठीक तौर से ध्यान दिया है, पर साधारण जनता में इस विषय में अभी बहुत काम करना है। बच्चे की सफाई पर तो उन जातियों में भी बहुत कम ध्यान दिया जाता है। बालक के खुद सफाई रखने के लायक होने के पहले उसके माँ-बाप उसे साफ सुथरा रखने की फिक्र रखते हों, यह नहीं दिखाई देता। नित्य स्नान करना चाहिए. इसे हिन्दुओं का बहुत बड़ा भाग धार्मिक नियम की भाँति मानता है, पर हिन्दुमात्र ऐसा मानते हैं यह नहीं कह सकते। दूसरे हिन्दुस्तानियों में रोज नहाने की आदत आम नहीं है। हिन्दुस्तान में रोज नहाना स्वच्छता और साथ ही आरोग्य के लिए आवश्यक है। पर नहाने का मतलब सिर्फ बदन गीला कर लेना नहीं है। बहुतेरे नित्य नहानेवाले इससे आगे नहीं बढ़ते। नहाने के मानी हैं शरीर का मैल साफ करके त्वचा के छिद्रों को खोल देना । अत: नहाने का पानी पीने के पानी जितना ही साफ होना चाहिए। ऐसा पानी काफी मात्रा में रोज न मिल सके तो गंदे पानी में नहाने की बनिस्बत साफ पानी में कपड़ा भिगोकर उससे शरीर को रगड़कर पोंछ डालना कहीं अच्छा है। हमारे देश के गाँवों में ही नहीं, बड़े-बड़े कस्बों में भी लोग जैसे पानी से नहाते हैं उसे नहाने लायक नहीं कह सकते। आँख, नाक, कान, दाँत, नाखून, बगल, काछ आदि अवयव जिनसे मैल निकलता है अथवा जिनमें मैल भरा रहता है उनकी सफाई की तरफ सभी लोगों में खासकर बच्चों के बारे में-बहुत लापरवाही रखी जाती है। छोटे बच्चों में आमतौर पर होनेवाली आँख की बीमारियों रोज आँख और नाक को साफ पानी और साफ कपड़े से साफ न कर देने का नतीजा है। इस विषय में सफाई के लिए मुनासिब आदतें लगाने और गंदगी से घिन करना सिखाने की ओर बहुत कम ध्यान दिया जाता है। अत: ग्राम सेवकों और शिक्षकों को इस विषय पर बहुत बारीकी से ध्यान देना चाहिए। है कपड़ों की सफाई भी शारीरिक स्वच्छता का ही भाग है। कपड़ों की गंदगी का कारण केवल दरिद्रता ही नहीं कही जा सकती। बहुतेरी गंदगी तो अच्छी आदतें न पड़ी होने से और आलस्य के कारण रहती है। चकती लगे कपड़ों से हमारी दरिद्रता प्रकट होती है तो इससे हमें शर्मिन्दा होने की जरूरत नहीं।

संक्षिप्त समाचार

एडीएम ने सुनी आम जनता की समस्याएं

बिलासपुर। कलेक्टर श्री सौरभ कुमार के निर्देश पर जिला कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में एडीएम श्री आर.ए.कुरूवंशी ने आज यहां बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने कुछ आवेदनों का जहां जनदर्शन में ही समाधान कर दिया वहीं जांच एवं परीक्षण की जरूरत वाले मामलों को टीएल में पंजीकृत करते हुए संबंधित अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए गए। जनदर्शन में आज एडीएम ने 132 मामलों की सुनवाई की। जनदर्शन में आई शहर की महिला समूहों ने एडीएम के समक्ष अपना आवेदन प्रस्तुत कर बताया कि उन्हें नगर पालिक निगम द्वारा मकान आबंटित किया गया था, जिस पर अन्य व्यक्तियों द्वारा बलपूर्वक कब्जा कर लिया गया है। एडीएम ने इस संबंध में नगर निगम आयुक्त को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। सिरगिट्टी निवासी श्री मनहरण प्रसाद साहू ने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना के अंतर्गत भारतीय स्टेट बैंक शाखा सिरगिट्टी से ऋण दिलाने के लिए आवेदन दिया। एडीएम ने आवेदन को टीएल में पंजी करते हुए संबंधित अधिकारियों को मामले को सौंपा। कोटा ब्लॉक के ग्राम करवा निवासी श्रीमती मिथिलेश दरके ने विधवा पेंशन दिलाने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। इस मामले को सीईओ जनपद पंचायत कोटा देखेंगे।

मुख्यमंत्री ने नव संवत्सर, चैत्र नवरात्रि और गुड़ी पड़वा की दी शुभकामनाएं

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने प्रदेशवासियों को चैत्र नवरात्रि, नव संवत्सर और गुड़ी पड़वा की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने इस अवसर पर सभी नागरिकों के लिए सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि चैत्र माह के पहले दिन से हिन्दू नववर्ष और नया संवत्सर शुरू होता है। इस दिन से नौ दिनों तक चलने वाले शक्ति आराधना के पर्व नवरात्रि का भी शुभारंभ होता है। महाराष्ट्र में इस दिन गुड़ी पड़वा का त्यौहार मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में मां शीतला, दंतेश्वरी, महामाया, बम्लेश्वरी, कंकाली, गंगा मैया, बिलईमाता, चंद्रहासिनी देवी तथा अन्य स्वरूपों में मां भगवती विराजमान हैं। चैत्र नवरात्रि के अवसर पर छत्तीसगढ़ में लोग भक्ति-भाव और उत्साह के साथ नौ दिनों तक देवी आराधना का पर्व मनाते हैं। मुख्यमंत्री ने देवी भगवती से प्रार्थना की है कि उनका आशीष प्रदेशवासियों पर बना रहे और प्रदेश निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर हो।

जिला स्तरीय सर्तकता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक 28 मार्च को

बिलासपुर। अनुसूचित जाति एवं जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1995 के क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर श्री सौरभ कुमार की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सर्तकता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक 28 मार्च 2023 को अपरान्ह 4 बजे जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी। बैठक में अनुसूचित जाति-जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत वर्ष 2022-23 में दर्ज प्रकरणों के निराकरण की स्थिति सहित अधिनियम के तहत न्यायालय में लंबित प्रकरणों पर चर्चा की जाएगी।

फसल नुकसान का जल्द होगा सर्वे,15 दिनों में मुआवजा राशि देने का प्रावधान

रायपुर। विधानसभा सभा के बजट सत्र के दौरान मंगलवार को बेमौसम बारिश से हुए फसलों के नुकसान का मुद्दा उठा। भाजपा के सदस्य शिवरतन शर्मा ने आरोप लगाया कि बरसात से हुए नुकसान का सरकार ने संज्ञान नहीं लिया। अजय चंद्राकर बोले- रबी की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। किसान सरकार की नीतियों से बेबस हो गया है। नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने नुकसान का मूल्यांकन कराकर उचित मुआवजा देने की मांग की। इस पर राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने कहा कि सभी जिला कार्यालयों को निर्देशित किया गया है। आंधी-तूफान और आकाशीय बिजली से 8 व्यक्ति और 36 पशुओं की जान गई है। फसल क्षति का आंकलन अभी जारी है।

मुख्यमंत्री ने अधिवक्ता विमल कुमार मुंशी के निधन पर शोक प्रकट किया

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता श्री विमल कुमार मुंशी के निधन पर गहरा शोक प्रकट किया है। मुख्यमंत्री ने श्री मुंशी के शोक संतप्त परिवारजनों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा है कि श्री विमल कुमार मुंशी रायपुर अधिवक्ता संघ के वरिष्ठ प्रेरक और मार्गदर्शक रहे।

सड़क निर्माण और गैस पाइप लाईन विस्तार कार्यों का कलेक्टर ने किया अनुमोदन

रायपुर। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर भुरे ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में बैठक लेकर कुकरा-सण्डी-भनसोज (नहर पार) मार्ग पर 2 किमी सड़क निर्माण तथा उप महाप्रबंधक गेल लिमिटेड रायपुर छ.ग. को गैस पाईप लाइन द्वारा जल निकायों को पार करने के लिए प्रशासनिक सहायता प्रदान करने के लिए अनुमति हेतु विभिन्न शर्तों के अधीन अनुमोदन किया। बैठक में कार्यपालन अभियंता जल प्रबंध संभाग क्रमांक 1 मधुकर बोरकर, कार्यपालन अभियंता जल संसाधन संभाग रायपुर श्री जी. आर. पटेल, कार्यपालन अभियंता छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मण्डल श्री एल. के. साहू और कार्यपालन अभियंता महानदी जलाशय परियोजना डिसनेटा संभाग क्रमांक 3 तिल्दा श्री कृष्ण कांत खरे उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री वृक्ष सम्पदा योजना का किया वर्चुअल शुभारंभ

जिले में अब तक 700 हितग्राहियों ने 1100 एकड़ निजी भूमि में वृक्षारोपण के लिए कराया पंजीयन

बिलासपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज विश्व वानिकी दिवस पर विधानसभा परिसर में स्थित कार्यालय कक्ष से राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजना का वर्चुअल शुभारंभ किया। जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन मस्तूरी विकासखंड के ग्राम लावर में हुआ। वन विभाग के तत्वाधान में यहां भूमि स्वामी श्री शिव कुमार अग्रवाल की 4 एकड़ निजी भूमि में 640 चंदन के पौधे का रोपण कर योजना का शुभारंभ हुआ। जिले में योजना के तहत अब तक लगभग 700 हितग्राहियों की 1100 एकड़ निजी भूमि का वृक्षारोपण के लिए पंजीयन किया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर श्री रामशरण यादव ने की। इस दौरान जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अध्यक्ष श्री प्रमोद नायक, अरपा विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्री अभय नारायण

राय, जिला पंचायत सभापति श्री राजेश्वर भार्गव, श्री विजय केशरवानी, बिलासपुर मंडी अध्यक्ष श्री राजेन्द्र शुक्ला, पूर्व विधायक मस्तूरी श्री दिलीप डहरिया, श्री दामोदर कांत, श्री मनोहर कुर्रे, श्री लखन टंडन, कलेक्टर श्री सौरभ कुमार, सीसीएफ श्री राजेश चंदेल, सीसीएफ श्री जगदीशन ए स , वनमण्डलाधिकारी श्री कुमार निशांत सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और ग्रामीण मौजूद थे।

कार्यक्रम में शहीद महेंद्र कर्मा तेंदू पत्ता संग्राहक बीमा सुरक्षा योजना के तहत 4 हितग्राहियों के खाते में 6 लाख 60 हजार रूपये की राशि अंतरित की गई। अतिथियों के द्वारा प्रतीकात्मक रूप से हितग्राहियों को चेक दिया गया। वनमण्डलाधिकारी श्री कुमार निशांत ने योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने योजना का लाभ सभी से उठाने की अपील की। उन्होंने बताया कि जिले में योजना के तहत अब तक लगभग 700 हितग्राहियों की 1100 एकड़ निजी भूमि का वृक्षारोपण के लिए पंजीयन किया गया है। इन हितग्राहियों की भूमि पर लगभग 7 लाख से ज्यादा पौधे चंदन, मेलिया दुबिया, सागौन, नीलगीरी, टिश्यूकल्चर बैम्बू सहित अन्य प्रजाति के लगाए जाएंगे। श्री निशांत ने बताया कि श्री शिव अग्रवाल की 4 एकड़ निजी भूमि पर 640 चंदन के पौधे लगाये जा रहे है। 15 वर्षों के बाद उन्हें लगभग प्रति एकड़ 75 लाख की आय होगी। मंहगाई बढ़ने पर यह आय और बढ़ सकती है। ग्राम लावर के भूमि स्वामी और हितग्राही श्री शिव अग्रवाल ने योजना को फायदेमंद बताते हुए मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल को इसके लिए धन्यवाद दिया है। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि और अधिकारियों ने पौधरोपण भी किया।

क्या है योजना -

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने राज्य में वृक्षों के व्यावसायिक उपयोग को बढ़ावा देने की अपार संभावनाओं को देखते हुए मुख्यमंत्री वृक्ष सम्पदा योजना शुरू की है। इस योजना के अंतर्गत कृषकों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से कृषकों की सहमति से उनकी भूमि पर वाणिज्यिक वृक्षारोपण किया जाना है। योजना के अंतर्गत किसान, इच्छुक भूमि स्वामी, शासकीय-अर्धशासकीय एवं शासन के स्वायत्त संस्थान, निजी शिक्षण संस्थाएं, निजी ट्रस्ट, पंचायत तथा भूमि अनुबंध धारक इस योजना का लाभ उठा सकते है। इस योजना के तहत राज्य शासन द्वारा 5 एकड़ तक वृक्षारोपण हेतु 100 प्रतिशत अनुदान तथा 5 एकड़ से अधिक क्षेत्र में वृक्षारोपण हेतु 50 प्रतिशत वित्तीय अनुदान देगी।

कोरचोली के जंगल में हुई मुठभेड़ में महिला नक्सली ढेर

डीआरजी, एसटीएफ की संयुक्त टीम के साथ नक्सलियों की मुठभेड़

बीजापुर। जिले के थाना गंगालूर क्षेत्र अंतर्गत कोरचोली के जंगल में सुबह लगभग 6:30 बजे डीआरजी, एसटीएफ की संयुक्त टीम के साथ नक्सलियों की मुठभेड़ हुई है। इस मुठभेड़ में एक महिला नक्सली के मारे जाने की सूचना सूत्रों से मिल रही है, मारे गये नक्सली का शव एवं हथियार भी बरामद किया गया है। इसकी पुष्टि घटनास्थल से जवानों के लौटने बाद की जायेगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार नक्सलियों की कंपनी नंबर 02 के नक्सली कमांडर वेल्ला एवं गंगालूर एरिया कमेटी के नक्सली एसीएम दिनेश सहित कई नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर सुरक्षा बलों की टीम रवाना

हुई थी। जंगली पहाड़ी में सुरक्षा बलों को देख नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवानों की जवाबी कार्रवाई में एक नक्सली के मारे जाने के साथ ही हथियार के साथ शव भी बरामद किया गया है। जवानों द्वारा इलाके की सर्चिंग की जा रही है। एएसपी चंद्रकांत गवर्ना ने बताया कि कोरचोली के जंगल में मंगलवार सुबह मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ के बाद जवान अभी तक घटनास्थल से लौटे नहीं हैं। मुठभेड़ के बाद आस-पास जवानों द्वारा सर्चिंग की जा रही है। जवानों के लौटने के बाद विस्तृत जानकारी दी जा सकती है।

बुरगुम के जंगल से 1 लाख का ईनामी नक्सली गिरफ्तार

दंतेवाड़ा। जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत डीआरजी और 111वीं वाहिनी ई कंपनी सीआरपीएफ कैंप समेली का संयुक्त बल नक्सल गश्त सर्चिंग के लिए थाना अरनपुर के ग्राम रेवाली और बुरगुम जंगल पहाड़ी की ओर रवाना हुआ था। ग्राम बुरगुम के जंगल घेराबंदी कर एक लाख के ईनामी नक्सली सोना उर्फ हुंगा मरकाम निवासी थाना अरनपुर के बुरगुम मेटागुड़ेम को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार नक्सली सोना उर्फ हुंगा मरकाम से पूछताछ में बुरगुम पंचायत जनताना सरकार अध्यक्ष के पद पर कार्य करना बताया। गिरफ्तार नक्सली खिलाफ थाना अरनपुर में कई धाराओं के तहत मामले दर्ज हैं, जिसमें थाना अरनपुर में पूर्व से (1) अप.क्रं. 07/2016 धारा 147, 148, 149, 307 भादवि, 25, 27 आर्म्स एक्ट, 4, 5 विपअधि. (2) अप. क्र.09/2016 धारा 147, 148, 149, 307 भादवि., 25, 27 आर्म्स एक्ट, 4, 5 विपअधि., (3) अप.क्रं. 07/2019 धारा 147, 148, 149, 307 भादवि. 25 आर्म्स एक्ट, 3, 5 विपअधि. (4) अप.क्रं. 03/2020 धारा 302, 364, 147, 148, 149, 294, 323, 506 भादवि., 25 आर्म्स एक्ट, 4, 5 विपअधि., 13, 23, 38(2) 39 (2) विविकिनिअधि. (5) अप.क्रं. 04/2020 धारा 307, 147, 148, 149 भादवि., 25, 27 आर्म्स एक्ट, 3, 5 विपअधि., 13, 23, 38(2) 39 (2) विविविनिअधि., पंजीबद्ध होने पर मंगलवार को न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया।

कुलपति डॉ. चंदेल ने पदक विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बंगलोर में आयोजित 21वीं अखिल भारतीय अन्तर कृषि विश्वविद्यालयीन युवा सांस्कृतिक महोत्सव (एग्री यूनिफेस्ट) में लोक नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल कर स्वर्ण पदक हासिल किया है। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने लोक नृत्य प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के लोकप्रिय पारंपरिक पंथी नृत्य प्रस्तुत किया था। 21वीं अखिल भारतीय अन्तर कृषि विश्वविद्यालयीन युवा सांस्कृतिक महोत्सव में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की 31 सदस्यीय दल ने भाग लिया था।

इस युवा सांस्कृतिक महोत्सव में नृत्य, गायन, कला साहित्य और नाट्य विधा में लगभग 20 विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। युवा सांस्कृतिक महोत्सव में आयोजित नाट्य विधा के अंतर्गत स्किट प्रतियोगिता में भी विश्वविद्यालय के दल को चतुर्थ स्थान प्राप्त हुआ। इसी प्रकार कला विधा के अन्तर्गत पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय बिलासपुर की छात्रा वैदेही देवांगन को चतुर्थ स्थान प्राप्त हुआ।

विद्यार्थियों के दल के वापस लौटने पर उनका रायपुर रेलवे स्टेशन आत्मीय स्वागत किया गया। विजेता प्रतिभागियों ने अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. संजय शर्मा के नेतृत्व में कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल से सौजन्य मुलाकात कर उन्हें प्राप्त पुरस्कारों के बारे में जानकारी दी। कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने दल के सभी विद्यार्थियों को सम्मानित किया। उन्होंने लोक नृत्य समूह के विद्यार्थियों के साथ-साथ दल में शामिल सभी सदस्यों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए भविष्य में और भी बेहतर प्रदर्शन करने की आशा व्यक्त की।

उल्लेखनीय है कि भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा इस वर्ष कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बंगलोर में 13 से 17 मार्च, 2023 तक 21वीं अखिल भारतीय अन्तर कृषि विश्वविद्यालयीन युवा सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन किया गया था।

फ्रांस के दंपती को पसंद आई बस्तर की खेती-बाड़ी

■ फिलिप बोले- यहां कि संस्कृति अपने आप में धरोहर है

जगदलपुर। यूं तो बस्तर में रोजाना दर्जनों विदेशी लोगों का जमावाड़ा लगा रहता है। लेकिन फ्रांस में कृषि विभाग में काम करने वाले फिलिप को यहाँ पर उगने वाले चावल के साथ ही खेती-बाड़ी काफी पसंद आई। वह भारत की यात्रा अपनी पत्नी के साथ आठ बार कर चुके हैं। लेकिन बस्तर पहली बार आते ही उन्हे भा गया। जिसके बारे में खुलकर तारीफ करने के साथ ही बस्तर जिले के पुलिस जवानों के साथ एक यादगार तस्वीर भी खिंचवाई। फ्रांस में 62 वर्ष तक कृषि विभाग में कार्य करने वाले फिलिप अपनी पत्नी मूरियल 61 वर्ष के साथ पहली बार बस्तर 11 मार्च को आए। जहां राजिम से लेकर सिरपुर, भैरमदेव के अलावा अन्य जगहों पर घूमने के बाद बस्तर पहुंचे। फिलिप ने बताया की कृषि क्षेत्र में काम करने के दौरान जब भी उन्हें मौका मिलता अपनी पत्नी के साथ घूमने के लिए निकल जाते हैं। वह बस्तर आने के बाद यहां के किसानों के द्वारा की जा रही खेती बाड़ी को देखकर काफी

खुश हैं। इसके अलावा यहां उत्पन्न होने वाली फसलों के बारे में भी किसानों से बात करने के साथ ही हर एक पल को अपने कैमरे में कैद किया। उनकी पत्नी मुरियल कॉस्मेटिक कंपनी में सेकेट्री के पद पर तैनात हैं। उनका कहना है की बस्तर के लोग काफी अच्छे हैं, यहां लगने वाले बाजार में आने वाले लोग भी बड़े ही शालीनता से सेवा करने के साथ ही अपनी संस्कृति से परिचय कराते हैं। यहां की आदिवासी संस्कृति काफी अच्छी है। जिससे लोग बहुत जल्द ही जुड़ जाते हैं। आज तीरथगढ़ के अलावा आसपास के खूबसूरती को निहारने के बाद 22 मार्च को ओडिसा होते हुए अपने देश वापस चले जायेंगे।

एमडीएमए के साथ युवक गिरफ्तार

बिलासपुर। राजधानी एक्सप्रेस में अटेंडर का काम करने वाले दिल्ली के एक युवक को तारबाहर पुलिस ने एमडीएमए के साथ गिरफ्तार किया है। एंटी साइबर एंड क्राइम यूनिट की टीम ने तारबाहर के साईं मंदिर के पास से संदिग्ध हालत में एक युवक को पकड़ कर उसकी तलाशी ली। उसके पास से 5.93 ग्राम एमडीएमए, जिसे मौली के नाम से भी जाना जाता है, मिला। आरोपी ने अपना नाम ओम कुमार जाटव (21 वर्ष) बताया। वह थाना महावीर जी, करौली राजस्थान का है लेकिन इस समय द्वारका दिल्ली में रहता है। पुलिस ने जानकारी जुटाई जा रही है कि वह यहां पर किसके पास ड्रग्स कुछ पाने वाला था। प्रारंभिक पूछताछ में उसने बताया है कि किसी हाई प्रोफाइल पार्टी को इसे देने आया था। आरोपी ने बताया है कि राजधानी एक्सप्रेस में ठेकेदार के नीचे वह खाना और सामान सप्लाई का काम करता है। वह अक्सर राजधानी एक्सप्रेस से बिलासपुर आना-जाना करता है। आशंका जताई जा रही है कि वह पहले भी यहां ड्रग्स की सप्लाई कर चुका है।

जो स्कूल पहले से थे, उन्हीं के भवनों में खोले गए आत्मानंद अंग्रेजी स्कूल - मंत्री टेकाम

रायपुर। प्रश्नकाल के दौरान पूर्व नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने स्वामी आत्मानंद स्कूलों के भवन विहीन होने और शिक्षकों की भर्ती में शिकायत का मामला उठाया। स्कूल शिक्षा मंत्री प्रेमसाय सिंह टेकाम ने कहा कि जो स्कूल पहले से थे, उन्हीं के भवनों में आत्मानंद अंग्रेजी स्कूल खोले गए हैं। भवन अलग से बनाने का प्रावधान नहीं है। कौशिक ने कहा कि उन्होंने हिंदी मीडियम स्कूलों पर कब्जा कर लिया है। 181 आत्मानंद स्कूलों के जीर्णोद्धार के लिए निविदा कब बुलाई गई? किस मद से कराया गया। मंत्री ने कहा कि पुराने स्कूलों पर कब्जा नहीं किया बल्कि दो पालियों में अंग्रेजी और हिंदी स्कूल संचालित कर रहे हैं। 181 स्कूल स्मार्ट सिटी, आरईएस और लोनिवि के जरिए बनाए गए हैं। कौशिक ने कहा कि बिना निविदा के जीर्णोद्धार हो गया। डीएमएफ से भुगतान कर बंदरबांट किया गया। मंत्री टेकाम ने कहा कि 181

स्कूलों के जीर्णोद्धार के लिए फरवरी, मई 21 और मई - 22 में निविदा बुलाई गई है। अलग-अलग एजेंसियों से निविदा बुलाई गई है। मंत्री टेकाम ने कहा कि कोई गड़बड़ी नहीं हुई है, अलग-अलग एजेंसी के जरिए निविदाएं बुलाई गई है। कौशिक और अजय चंद्राकर ने इन स्कूलों में अंग्रेजी के सेटअप के बिना 10403 शिक्षकों की भर्ती पर आपत्ति की। मंत्री टेकाम ने कहा कि सेट अप के अनुसार ही प्रतिनियुक्ति और संविदा शिक्षक नियुक्त किए गए हैं। कौशिक ने पूछा कि आत्मानंद स्कूलों में अस्थाई नियुक्ति की कोई शिकायत मिली है और कार्रवाई हुई है क्या? मेरी जानकारी में 7 शिकायतें मिली हैं। कांग्रेस के ही विधायक यूडी मिंज और बृहस्पति सिंह ने शिकायत की है और उस आधार पर जशपुर के डीईओ का निलंबन हुआ है। मंत्री टेकाम ने कहा कि कार्रवाई हुई है, ऐसी जानकारी मैं लेकर बताऊंगा।

सभी शासकीय अस्पतालों में 1 जून से कैशलेस व्यवस्था - सिंहदेव

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा में मंगलवार को लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, वाणिज्यिक कर और बीस सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्री श्री टी.एस. सिंहदेव के विभागों के लिए कुल 5122 करोड़ आठ लाख 71 हजार रुपए की अनुदान मांगे सर्वसम्मति से पारित की गईं। इनमें लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के लिए 3207 करोड़ 70 लाख 90 हजार रुपए, चिकित्सा शिक्षा विभाग से संबंधित व्यय के लिए 1574 करोड़ 48 लाख तीन हजार रुपए, वाणिज्यिक कर विभाग से संबंधित व्यय के लिए 335 करोड़ 76 लाख 63 हजार रुपए तथा बीस सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वयन विभाग से संबंधित व्यय के लिए चार करोड़ 13 लाख 15 हजार रुपए शामिल हैं। स्वास्थ्य मंत्री टी.एस. सिंहदेव ने विभाग की अनुदान मांगों पर चर्चा का जवाब देते हुए सदन को बताया कि प्रदेश के सभी शासकीय अस्पतालों में आगामी एक जून से कैशलेस व्यवस्था चालू हो जाएगी। मरीजों को इलाज, जांच एवं दवाओं के लिए एक रूपया भी नहीं देना होगा। ओपीडी, आईपीडी, दवा एवं सभी तरह की डायग्नोस्टिक सेवाएं प्रदेशवासियों को निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस पर अपनी स्वीकृति दी है। उन्होंने कहा कि कैशलेस व्यवस्था से यूनिवर्सल हेल्थ केयर की परिकल्पना के अनुरूप स्वास्थ्य को एक अधिकार का रूप देने के लक्ष्य को हासिल करने के साथ ही प्रदेश की न्याय योजनाओं में एक और आयाम जुड़ेगा। इससे कैशलेस शासकीय अस्पताल की परिकल्पना पूर्ण होगी।

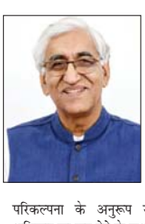

श्री सिंहदेव ने कहा कि यूनिवर्सल हेल्थ केयर की अवधारणा को साकार करने में मानव संसाधन की अहम भूमिका है। प्रदेश में वर्ष 2017-18 में विशेषज्ञ चिकित्सकों की संख्या 179 थी जो पिछले 4 वर्षों में बढ़कर 534 हो गई है। विगत 4 वर्षों में ही इसमें तीन गुना वृद्धि हुई है। बीते 4 वर्षों में चिकित्सा अधिकारियों की संख्या 1302 से बढ़कर 2413 एवं दंत चिकित्सकों की संख्या 67 से बढ़कर 222 हो गई है। उन्होंने कहा कि 2017-18 में प्रदेश में डायलिसिस की सुविधा केवल तीन स्वास्थ्य केन्द्रों में उपलब्ध थी, जो आज बढ़कर 29 स्वास्थ्य केन्द्रों तक पहुंच चुकी है। इन केन्द्रों में इस साल किडनी के मरीजों के 42 हजार डायलिसिस किए गए हैं।स्वास्थ्य मंत्री ने सदन में बताया कि डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का लाभ प्रदेश के 85 प्रतिशत परिवारों को मिल रहा है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के अंतर्गत दुर्लभ एवं गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए 20 लाख रूपए तक की राशि जरूरतमंदों को प्रदान की जा रही है। छत्तीसगढ़ आयुष्मान कार्ड बनाने में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। उन्होंने बताया कि डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना के लिए वर्ष 2023-24 के लिए 990 करोड़ रूपए का बजट प्रावधान किया गया है, जो कि 2018-19 की तुलना में तीन गुना वृद्धि है। स्वास्थ्य योजनाओं में केन्द्रांश एवं राज्यांश का अनुपात वर्ष 2018-19 में 40:60 प्रतिशत हुआ करता था, यह अब 30:70 प्रतिशत हो गया है। आने वाले वर्षों में यह अनुपात 20:80 प्रतिशत हो जाएगा।

श्री सिंहदेव ने कहा कि छत्तीसगढ़ देश में सबसे ज्यादा सिकलसेल से प्रभावित मरीज पाए जाने वाले राज्यों में से एक है। इसे पूरी गंभीरता से लेते हुए राज्य के हर जिले में सिकलसेल प्रबंधन केन्द्र की स्थापना कर देश में सर्वाधिक 51 लाख से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग की गई है। सिकलसेल इंस्टीट्यूट का नवीन भवन 45 करोड़ रूपए की लागत से निर्माणाधीन है। प्रदेश में सिकलसेल की जांच के लिए पाईट ऑफ केयर टेस्टिंग की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। इस टेस्ट से तत्काल पता चल जाएगा कि व्यक्ति सिकलसेल से पीड़ित है या नहीं। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि प्रदेश के तीन नए मेडिकल कॉलेजों कांकेर, महासमुंद और कोरबा के भवन के निर्माण के लिए टेण्डर की प्रक्रिया चल रही है। स्वास्थ्य मंत्री श्री सिंहदेव ने सदन में बताया कि प्रदेश में मातृ मृत्यु दर में कमी आई है। छत्तीसगढ़ देश में मातृ मृत्यु दर में ज्यादा कमी लाने वाले राज्यों में शामिल है। हमें इसे और भी नीचे लेकर जाना है। पाटन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की तारीफ राष्ट्रीय स्तर पर हुई है। वहां ऐसी व्यवस्थाएं लागू की गई हैं, जो देश के किसी भी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में नहीं है। श्री सिंहदेव ने सदन में बताया कि अगले वित्तीय वर्ष में राज्य के सभी उप स्वास्थ्य केन्द्रों को नए भवन मिल जाएंगे। स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन में सहायता करने वाली मितानिनों को नए बजट में हर महीने 2200 रूपए का मानदेय देने की घोषणा हुई है। यह राशि विभिन्न योजनाओं के तहत उन्हें मिलने वाले प्रोत्साहन राशि के अतिरिक्त होगी। वाणिज्यिक कर मंत्री श्री सिंहदेव ने कहा कि वर्ष 2022-23 के लिए 18 हजार 500 करोड़ रूपए जीएसटी के संग्रहण का लक्ष्य निर्धारित है। इस साल 28 फरवरी तक 15 हजार 723 करोड़ 81 लाख रूपए का राजस्व संग्रहण हो चुका है, जो कि निर्धारित लक्ष्य का 85 प्रतिशत है। वर्ष 2021-22 में 12 हजार 991 करोड़ 4 लाख रूपए का कर संग्रहण हुआ था। इस साल का कर संग्रहण पिछले वर्ष की तुलना में 21 प्रतिशत अधिक है। छत्तीसगढ़ में पेट्रोल और डीजल की कीमत पड़ोसी राज्यों से कम है। श्री सिंहदेव ने सदन में बताया कि राज्य शासन द्वारा छोटे भू-खण्डों की रजिस्ट्री पर रोक हटाने से आम लोगों को राहत मिली है।

16 सौ करोड़ के बजट में 74 लाख के घाटे का अनुमान

फूल चौक से आजाद चौक तक शेष भाग का चौड़ीकरण, सभी वार्डों में लगेंगे सीसीटीवी,चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार

रायपुर। रायपुर नगर निगम का मंगलवार को सालाना बजट पेश किया गया। करीब 16 सौ करोड़ के बजट में 74 लाख के घाटे का अनुमान है। बजट में फूल चौक से आजाद चौक तक शेष भाग का चौड़ीकरण, और फ्लाईओवर के निर्माण का प्रस्ताव है। सभी वार्डों में निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने, और आधुनिक शौचालय के निर्माण की योजना है। सभी जोनों में बेसहारा वृद्धजनों के लिए आसरा गृह का निर्माण किया जाएगा। सम्पूर्ण नगर निगम क्षेत्र में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। स्वास्थ्य सेवा की पहुंच सुगमता पूर्वक हर घर तक हो सकें, इसके लिए मोहल्ला क्लीनिक व मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना का कवरेज बढ़ाया जाएगा।महापौर एजाज ढेबर ने नगर निगम सभा में वर्ष 2023-24 का सालाना बजट पेश किया। बजट में 1608 करोड़ 74 लाख के बजट में 68 हजार के घाटे का अनुमान है। उन्होंने बताया कि निगम ने संतुलित विकास के लिए रोड मैप तैयार किया है। इस कड़ी में आय के अतिरिक्त स्त्रोत उत्पन्न करने, और विभिन्न आय सृजित करने वाले परियोजनाओं के वित्तीय प्रबंधन व संसाधन की पूर्ति के लिए 2 सौ करोड़ रुपये के बॉन्ड जारी किए जाएंगे।

बॉन्ड से प्राप्त राशियों का प्रयोग विभिन्न आय

सृजित करने वाले परियोजनाओं में किया जाएगा और इन परियोजनाओं से होने वाली आय का उपयोग बाण्ड पुनर्भुगतान में होगा। रायपुर नगर निगम क्षेत्र में हरित आवरण व जैव विविधता विकसित करने के लिए नगर वन योजना का क्रियान्वयन किया जाएगा। इसके अंतर्गत नगरीय निकाय की सीमा के 10 किलो मीटर के भीतर नगरीय वन विकास की अनुमति की परिकल्पना की गई है। खारून नदी के शुद्धिकरण का लक्ष्य आगामी 2 वर्षों की कार्य योजना में शामिल होगी। सभी एसआईपी का सुचारू संचालन सुनिश्चित करते हुए रायपुर शहर से बहकर नदी में पहुंचने वाले अपशिष्ट मिश्रित 17 नालों के पानी के शुद्धिकरण को प्रभावी तरीके से लागू किया जाएगा। पौनी पसारी व वेंडिंग जोन क्षेत्र का विस्तार किया जाएगा, और लघु व्यवसायियों को सुगम व्यवसाय के लिए सहायता दी जाएगी।

स्व-सहायता समूहों को आजीविका मूलक कार्यक्रमों से जोड़ा जाएगा, गौधन उत्पादों जैसे-पेंट, पुट्टी, गौ-काष्ठ, गौमूत्र आसवन, फिनायल, सजावटी सामानों के निर्माण के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कर समग्र स्वावलंबन हेतु प्रेरित किया जाएगा। रायपुर की स्वच्छता व सफाई से हर घर को जोडने प्रभावी कार्यक्रम संचालित होंगे। हर घर से कचरा पृथकरण व इसके निपटान की सम्पूर्ण व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाएगा।

अमृत मिशन योजना के साथ ही 2437 जलापूर्ति योजना को लक्षित अवधि में पूरा करने के साथ ही टैंकर मुक्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। सम्पूर्ण नगर निगम क्षेत्र में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। स्वास्थ्य सेवा की पहुंच सुगमता पूर्वक हर घर तक हो सकें, इसके लिए मोहल्ला क्लीनिक व मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना का कवरेज बढ़ाया जाएगा।नगर निगम क्षेत्रांतर्गत शासकीय विद्यालयों में अध्ययन, अध्यापन के साथ अधोसंरचनात्मक विकास, बौद्धिक, शैक्षिक, खेल व सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा।

सामान्य सभा में भाजपा पार्षदों का जमकर हंगामा

रायपुर नगर निगम का प्रश्नकाल शुरू होते है भाजपा पार्षदों ने हंगामा शुरू कर दिया। रायपुर के शहरी इलाके में पीएम आवास योजना के मकान बनवाने का विरोध करते हुए भाजपा पार्षदों ने विरोध किया।सभापति प्रमोद दुबे उन्हे बार बार समझाइश देते रहे,कुछ देर के लिए प्रश्नकाल स्थगित किया गया। जब सभापति ने कहा कि बजट के बाद इन प्रस्तावों पर चर्चा करेंगे तब कहीं जाकर वे शांत हुए। पार्षद अमर बंसल ने पहला प्रश्न अमृत मिशन योजना के बारे में पूछा। एमआईसी सदस्य सतनाम सिंह पनाग ने जवाब देते हुए कहा कि प्रत्येक वार्ड के अंतिम छोर तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। इसके बाद भोला साहू ने वार्ड 25 में अवैध प्लाटिंग होने की जानकारी मांगी। एमआईसी सदस्य श्रीकुमार मेनन ने कहा कि शिकायत मिलने पर कारवाई की जाएगी। सामान्य सभा के दौरान शुरुआती पहला घंटा प्रश्नकाल का रहा। इस दौरान पीने के पानी के संकट का मुद्दा भी उठा। मृत्युंजय दुबे ने सुंदर नगर इलाके में गंदा पानी आने और गर्मी के दिनों में पानी की किल्लत का मसला उठाया।

2024 में स्काईवॉक का निर्माण पूरा होगा: मूणत

■ प्रदेश की कांग्रेस सरकार पूर्वाग्रह से ग्रसित है - भाजपा

रायपुर। पूर्व मंत्री एवं भाजपा प्रदेश प्रवक्ता राजेश मूणत ने आज भाजपा कार्यालय आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि राजधानी रायपुर का एक ज्वलंत मुद्दा इंफ्रास्ट्रक्चर, डेवलपमेंट और यातायात को लेकर व्यवस्थित करने को लेकर एक योजना बनाई स्काईवॉक बनाने की हुई जिसको लेकर कांग्रेस की सरकार छत्तीसगढ़ में आने के उपरांत लगातार सुर्खियां बटोरने की कोशिश कर जनता को गुमराह करना, भ्रष्टाचार के मुद्दे पर आरोप-प्रत्यारोप करना आम जनमानस की सुविधा रोकने के लिए कांग्रेस की सरकार ने अनेक काम किए हैं। स्काईवॉक एक ऐसा विषय था जिसको लेकर आम जनता को किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं थी लेकिन कुछ राजनेता अपनी राजनीतिक रोटी सेकने के लिए द्वेष बैर दिखाकर इसे रोक रखें है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने अपने साढ़े 4 वर्ष के कार्यकाल में शहर में इंफ्रास्ट्रक्चर के कोई नींव नहीं रखी।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता राजेश मूणत ने कहा कि जिनकी कोई सोच नहीं है, जिनकी कोई दूर दृष्टि नहीं है ऐसे प्रदेश के मुखिया एवं उनके सहयोगी साथी व शहर के विधायक जिसे प्रदेश की जनता ने अपना मत दिया। स्काईवॉक कांग्रेस पार्टी की कल्पना भी नहीं थी भाजपा की सरकार ने रायपुर शहर को संवारा उसका सौन्दरीकरण कर सुंदर बनाया, राजधानी के अनुरूप शहर के लिए व्यवस्था सुनिश्चित की। उन्होंने कहा कि चाहे अंडरब्रिज की बात हो या फिर फ्लाईओवर की बात, एक्सप्रेसवे हाईवे की बात हो या फिर ऑडिटोरियम या नालंदा परिसर हो तालाब का सौन्दरीकरण हो शहर के चारों तरफ भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने शहर के विकास को बढ़ाने का काम किया। स्काईवॉक को लेकर कांग्रेस पार्टी आरोप-प्रत्यारोप तक ही नहीं मनगढ़ंत आरोप के साथ शहर के विकास को अवरुद्ध करने की कोशिश की। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता मूणत ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अध्यक्षता में स्काईवॉक को लेकर की एक बैठक होती है उस बैठक में सभी लोगों का सुझाव आया जिसमें टेक्निकल सुझाव भी आता है, विभाग का प्रतिवेदन भी आता है, विभाग के मंत्री अपनी बात को रखते हैं। जनप्रतिनिधि भी अपनी बात को रखते हैं उस समय मुख्यमंत्री भूपेश बघेल घोषणा करते हैं कि इस काम को जहां पर है वहीं पर रोक दिया जाए। उस समय घोषणा के बाद राज्य सरकार एक आदेश निकालती है कि जांच के लिए तीन कमेटियों का गठन होगा है यह भी अपने आप में इतिहास रचने वाली बात है जनप्रतिनिधियों की एक कमेटी बनती है जिसमें लोकल विधायक, जनपद, जिला पंचायत सब लोगों को इसमें जोड़ते हैं उसके अध्यक्ष सत्यनारायण शर्मा जी को बनाया जाता है। एक प्रशासनिक कमेटी गठित होती है जो प्रशासनिक कमेटी सीनियर आईएएस की अध्यक्षता में होती है। तीसरी कमेटी गठित होती है जिसमें अपर सचिव लोक निर्माण विभाग, विशेष सचिव लोक निर्माण विभाग की समिति गठित होती है यह तीनों कमेटियां अपने अपने हिसाब से गठन करते हैं। जनप्रतिनिधियों का बैठक होता है बैठक के बाद लोगों का सुझाव आता है जिसमें सभी लोगों ने अपने अपने सुझाव दीजिए और सुझाव में टेंडर प्रक्रिया से लेकर सभी चीजों का जनप्रतिनिधि बात रखते हैं। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता राजेश मूणत ने कहा कि जनप्रतिनिधियों के सर्वे रिपोर्ट कमेटी के बाद में राज्य सरकार को रिपोर्ट प्रस्तुत करते हैं जिस बात को वरिष्ठ कांग्रेस विधायक सत्यनारायण शर्मा ने इस बात को विधानसभा में कहा कि मैंने जनप्रतिनिधियों की रिपोर्ट राज्य सरकार को प्रस्तुत कर दिया है उस समय का जो सर्वे है, जो डाटाएंट्री है, उस समय के जो ठेकेदार है जो तकनीकी क्षेत्र के जानकार है उन सभी का अभिमत आता है जिसमें कुछ लोग कहते है कि उसे उपयोग कर ले, किसी ने कहा इतने मोनो ट्रेन चला देना चाहिए तो किसी ने कहा इसमें फ्लाईओवर बना देना चाहिए।

आत्मानंद स्कूलों के सेटअप के सवाल पर घिरे शिक्षा मंत्री

रायपुर. छत्तीसगढ़ विधानसभा में मंगलवार को शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम को विपक्ष के तीखे सवालों का सामना करना पड़ा. पूर्व विधानसभा स्पीकर धरमलाल कौशिक के दो सवालों से उनका सामना हुआ. आत्मानंद स्कूलों के सेटअप के संबंध में एक सवाल का जवाब देते हुए शिक्षा मंत्री डॉ. टेकाम फंस गए. कौशिक ने मंत्री ने असत्य कथन का आरोप लगाया।

दरअसल, प्रश्नकाल के दौरान कौशिक ने आत्मानंद स्कूलों के संबंध में जानकारी मांगी थी. उन्होंने पूछा था कि प्रदेश में कितने स्वामी आत्मानंद स्कूल खोले गए हैं. इनमें से कितने भवन बन चुके हैं और कितने भवन विहीन संचालित हैं? कितने भवन निर्माण के लिए निविदा बुलाई गई है. मंत्री ने बताया कि 279 स्वामी आत्मानंद स्कूल खोले गए हैं. पूर्व से संचालित विद्यालयों में ही स्वामी आत्मानंद विद्यालय खोले गए हैं. वहां जरूरत के मुताबिक जीर्णोद्धार और अतिरिक्त कक्ष का निर्माण किया गया है. कोई भी विद्यालय भवन विहीन नहीं है. मंत्री ने बताया कि 181 विद्यालयों के जीर्णोद्धार व निर्माण के लिए निविदा बुलाई गई है.

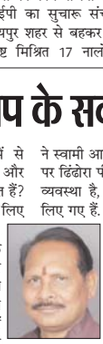

कौशिक ने कहा कि सरकार ने स्वामी आत्मानंद स्कूल के नाम पर ढिंढोरा पीटा. क्या जो टेम्परी व्यवस्था है, उसे ही स्कूल मान लिए गए हैं. मंत्री ने कहा कि जो स्कूल पहले से संचालित हैं. जहां बच्चों की संख्या कम थी. वहां स्कूल खोले गए हैं. अलग से भवन बनाने की योजना नहीं है.

कौशिक ने आरोप लगाया कि हिंदी मीडियम स्कूल को अनाधिकृत ढंग से कब्जा कर लिया गया. वहां के बच्चों को निकाल लिया गया. मंत्री की जानकारी में नहीं है. वे अधिकारियों से पता कर लें. मेरी जानकारी में है कि वहां अलग से भवन बना रहे हैं.

मंत्री ने कहा कि पहली बात तो यह कि हमने कोई कब्जा नहीं किया है. हमने किसी को भगाया नहीं है. अंग्रेजी और हिंदी अलग-अलग पालियों में स्कूल संचालित हो रहे हैं. 181 स्कूलों में निविदा बुलाई गई है. अलग-अलग निविदाएं बुलाई गई हैं. रायपुर में आरडी तिवारी स्कूल का स्मार्ट सिटी, बीपी पुजारी का स्मार्ट सिटी द्वारा, इसी तरह आरईएस व पीडब्ल्यूडी के जरिए निविदा बुलाई गई है.

कौशिक ने फिर आरोप लगाया कि कोई निविदा नहीं बुलाई गई है. डीएमएफ से राशि दे दी गई है. उस राशि की बंदरबांट हो चुकी है.

बस्तर में राजस्व विभाग अंतर्गत पंजीकृत प्रकरणों के शीघ्र निराकरण - जयसिंह अग्रवाल

विधानसभा में राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने बताया कि जिला कलेक्टर द्वारा साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में नामांकन नवीनीकरण एवं बटवारा के प्रकरणों को निराकरण करने का प्रयास किया जा रहा है । उन्होंने यह जानकारी बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल के प्रश्न के उत्तर में दी । राजस्व मंत्री से बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल ने जानना चाहा था कि वर्ष 20 -21, 21- 22 एवं 22-23 में 15 फरवरी 23 तक राजस्व विभाग के अधीन सीमांकन नामांकन नवीनीकरण एवं बटवारा के कितने प्रकरण पंजीबद्ध एवं निराकृत हुए हैं । उन्होंने इसके लिए समय सीमा तथा लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों के संबंध में भी जानना चाहा । इसके जवाब में राजस्व मंत्री ने प्रकरणों के संबंध में आंकड़ों के साथ विस्तार से जानकारी दी । उन्होंने बताया कि 15 फरवरी 23 की स्थिति में सीमांकन के 705 दर्ज प्रकरण में से 302 निराकृत हुए हैं नामांतरण के 1201 दर्ज प्रकरण में से 982 निराकृत हुए हैं बटवारा के 161 में से 121 निराकृत हुए हैं।

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

स्काई वॉक भारतीय जनता पार्टी के भ्रष्टाचार का स्मारक - कांग्रेस

रायपुर। स्काई वॉक भारतीय जनता पार्टी के भ्रष्टाचार का स्मारक है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि रमन और मूणत के भ्रष्टाचार के स्मारक की जांच ईओडब्ल्यू में चल रही है। रायपुर शहर में स्काई वॉक की जरूरत क्या थी? भाजपा इसको बताने की स्थिति में आज भी नहीं है। जनता की गाढ़ी कमाई का पैसा फिजूल के निर्माण में क्यों खर्च किया गया था? रायपुर की शहरों में पैदल चलने के लिये कहां जगह की कमी थी जो रमन सरकार ने स्काई वॉक बनाया था कौन 25 फीट ऊपर सीढ़ी पर चढ़कर स्काई वॉक में पैदल चलने जायेगा? प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि स्काई वॉक बनाने के पीछे की मंशा कमीशनखोरी थी, उसी के लिये तत्कालीन सरकार ने इसको शुरू किया था। इसके भ्रष्टाचार की जांच ईओडब्ल्यू में भी चल रही है। ईओडब्ल्यू की शिकायत में तत्कालीन भाजपा के पीडब्ल्यूडी मंत्री राजेश मूणत पर आरोप है कि उन्होंने स्काई वॉक निर्माण के ठेकेदार को लाभ दिलाने प्रशासनिक प्रक्रिया का दुरुपयोग किया था।

भाजपा व संघ हिन्दू राष्ट्र के पक्षधर हैं तो संसद में बिल पेश करें - रिजवी

रायपुर। मध्यप्रदेश पाट्यपुस्तक निगम के पूर्व अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व उपाध्यक्ष तथा वरिष्ठ अधिवक्ता इकबाल अहमद रिजवी ने कहा है कि भाजपा एवं आर.एस.एस. हिन्दू राष्ट्र के समर्थक हैं तो उन्हें संसद के दोनों सदनों में हिन्दू राष्ट्र बनाने का बिल पेश करना चाहिए। अभी तक भाजपा एवं संघ ने इस विषय में हाँ या ना का कोई अभिमत देश की जनता के समक्ष प्रस्तुत कर अपनी नीयत का परिचय नहीं दिया है। संसद में भाजपा का बहुमत है। इस बिल को पास होने में कोई देर नहीं लगेगी। दरअसल में भारतरत्न डा. भीमराव अम्बेडकर द्वारा रचित सर्वधर्म समभाव का संविधान प्रारंभ से ही साम्प्रदायिक दलों एवं संगठनों की आंख की किरकिरी बना हुआ है। रिजवी ने कहा है कि साधु-संतो को 2024 के आम चुनाव में जनता को धर्म के नाम पर गुमराह करने के लिए यह सब भाजपा के प्रायोजित हथकण्डे हैं। साधु-संतो की जगह-जगह की जाने वाली सभाओं के पीछे आने वाले विधानसभाओं एवं 2024 के आम चुनाव में होने वाली पराजय का पूर्वाभास है। भाजपा द्वारा हाल ही में समान सिविल कोड का बिल संसद में प्रस्तुत किया गया है उसी कड़ी में हिन्दू राष्ट्र बनाने का बिल भाजपा क्यों पेश नहीं कर रही? देश की जागरूक जनता बागेश्वरधाम के पंडित धिरेन्द्र शास्त्री एवं देश भर में चुनाव पूर्व साधु-संतो की सभाएँ आयोजित कर देश की जनता का भावनात्मक दोहन करना एक प्रायोजित हथकंडा है।

रमन राज में 3000 स्कूल बंद किए,भूपेश सरकार ने उन्हें भी खुलवाया-कांग्रेस

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि पूर्ववर्ती रमन सरकार के कुशासन में छत्तीसगढ़ में शिक्षा व्यवस्था बदहाल थी। नए स्कूल खोलना तो दूर लगभग 3000 स्कूल बंद किए गए, जिनमें 300 स्कूल केवल बस्तर के थे जिसे वर्तमान भूपेश सरकार ने पुन: शुरू कराए। भाजपा के 15 साल के कुशासन में एक भी पद पर नियमित शिक्षकों की भर्ती नहीं हुई थी, भूपेश बघेल सरकार ने 2 साल की सेवा अवधि पूर्ण कर चुके सभी शिक्षाकर्मियों का शिक्षक के पदों पर संविलियन किया, 14580 पदों पर नियमित शिक्षकों की भर्ती की। वर्तमान में 12500 पदों पर नियमित शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया चल रही है। बस्तर में बंद किए गए स्कूलों में से 275 स्कूलों को पुन: खोला गया और उन स्कूलों में शिक्षकों की पदस्थापना भी की गई।

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि पूर्व में छत्तीसगढ में जिला स्तर पर संचालित है मॉडल स्कूलों को भी रमन सरकार ने निजी क्षेत्र के संस्थान डीएवी को बेच दिया था। भूपेश बघेल सरकार ने उच्च गुणवत्ता युक्त शिक्षा मुहैया कराने प्रत्येक ब्लाकों में स्वामी आत्मानंद स्कूल खोले हैं। वर्तमान में 247 स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय संचालित है और इसके साथ ही 32 हिंदी माध्यम के उच्च गुणवत्ता युक्त स्वामी आत्मानंद स्कूल संचालित किए जा रहे हैं।

67 प्रतिशत जनता ने कहा कि स्काईवॉक बननी चाहिए - राजेश मूणत

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता व पूर्व मंत्री राजेश मूणत ने कहा है कि सत्यनारायण शर्मा कमेटी की रिपोर्ट आने के बाद भी प्रदेश की कांग्रेस सरकार यदि स्काई वॉक के निर्माण को रोककर रखती है तो 2023 में भाजपा की सरकार आने पर इसका निर्माण कार्य पूर्ण कराया जाएगा। श्री मूणत आज मंगलवार की अपराह्न एकात्म परिसर स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। श्री मूणत ने कहा कि सिर्फ स्काई वॉक के मुद्दे को लेकर मनगढ़ंत आरोप लगाकर कांग्रेस की सरकार ने शहर के विकास को अवरुद्ध करने की कोशिश की है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री मूणत ने कहा कि 2019 में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अध्यक्षता में स्काई वॉक को लेकर हुई एक बैठक में आए तकनीकी सुझावों समेत अन्य सभी सुझावों तथा विभागीय प्रतिवेदन के मद्देनजर प्रदेश सरकार ने स्काई वॉक के काम को जहाँ-के-तहाँ रोकने का निर्णय लिया। श्री मूणत ने कहा कि सत्यनारायण शर्मा कमेटी की रिपोर्ट आने के बाद यह बात स्पष्ट हो गई कि 67 फीसदी जनता ने स्काई वॉक के पक्ष में अपना अभिमत व्यक्त किया है। लेकिन विकास के नाम पर प्रदेश सरकार ने नींव की एक ईंट भी अपने पूरे कार्यकाल में नहीं रखी क्योंकि विकास की जिस अवधारणा के साथ प्रदेश की पूर्ववर्ती भाजपा सरकार ने अपने कार्यकाल में काम किया वह सोच और दृष्टिकोण प्रदेश की मौजूदा बघेल सरकार के पास है ही नहीं।

प्रदेश सरकार ने लाखों युवाओं को हताशा व निराशा के गर्त में धकेला-भाजपा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री ओपी चौधरी ने कहा है कि राज्य लोक सेवा आयोग

द्वारा हाईकोर्ट में 10 प्रतियोगी परीक्षाओं पर स्थगन की बात स्वीकार करने के बाद यह बात आईने की तरह साफ हो गई है कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने युवाओं को हताशा और निराशा के गर्त में धकेल दिया है। श्री चौधरी ने कहा कि आरक्षण के नाम पर राजनीतिक पैंतरेबाजी करके मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेश की प्रतिभासंपन्न युवा शक्ति का मखौल उड़ाने का काम किया है। भाजपा प्रदेश महामंत्री श्री चौधरी ने कहा है कि प्रदेश की पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के कार्यकाल में 58 प्रतिशत आरक्षण के साथ छत्तीसगढ़ में युवाओं से संबंधित विभिन्न भर्ती परीक्षाएं व्यवस्थित ढंग से संचालित होती रही हैं, लेकिन प्रदेश में जब से कांग्रेस की सरकार बनी है, आरक्षण के नाम पर राजनीतिक पैंतरेबाजी का दौर शुरू हुआ है और आज स्थिति यह हो गई है की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाएं रोक दी गई है, स्थगन की स्थिति में हैं। श्री चौधरी ने कहा है कि राज्य लोक सेवा आयोग ने हाईकोर्ट में दस्तावेज प्रस्तुत किया है जिसमें 10 प्रतियोगी परीक्षाओं के स्टे होने की बात को स्वीकार किया गया है।

एकलव्य विद्यालयों में सामग्री की खरीदी में अनियमितता, मंत्री के जवाब से असंतुष्ट विपक्ष ने किया वॉकआऊट

रायपुर। राजनांदगांव और मोहला मानपुर के एकलव्य विद्यालयों में सामग्री की खरीदी में अनियमितता के मामले पर मंगलवार को विधानसभा में विपक्षी सदस्यों ने जमकर हंगामा किया। आदिमजाति विकास मंत्री डा. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने माना कि अनियमितता हुई है और नियमों का पालन नहीं किया गया। इस पूरे मामले में दो प्राचार्य और एक अन्य अफसर के खिलाफ विभागीय जांच की जा रही है। मंत्री के जवाब से विपक्षी सदस्य संतुष्ट नहीं हुए और उन्होंने सदन से वॉकआॅउट कर दिया। प्रश्नकाल के दौरान धरम लाल कौशिक ने आत्महात किए गए जनघोषणा-पत्र 2018 में क्या बंद स्कूलों को प्रारंभ करने की घोषणा भी की गई थी? प्रदेश में जनवरी 2019 से 31.1.2023 तक कितने नक्सल प्रभावित बंद स्कूलों को प्रारंभ किया गया है? इसमें कितने शिक्षक कार्यरत हैं तथा कितने बंद स्कूलों को चालू करने की योजना है? आदिम जाति विकास मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने बताया कि प्रश्नाधीन अवधि में 275 बंद स्कूलों को प्रारंभ किया गया है तथा इनमें 185 शिक्षक कार्यरत हैं। वर्तमान में कोई योजना नहीं है। भाजपा सदस्य डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी के सवाल के जवाब में आदिम जाति विकास मंत्री ने बताया कि विभाग में वर्ष 2020-21, 2022-23, और 31 जनवरी 2023 तक कुल 9 करोड़ 17 लाख से अधिक राशि स्वीकृत की गई थी। उन्होंने माना कि स्वीकृत राशि के अंतर्गत हुई खरीदी में वित्त विभाग के निर्देश, भंडार क्रय नियमों का पूरी तरह पालन नहीं किया गया है।

धर्मांतरण कराने वालों का हिंसा पर उतारू होना दुर्भाग्यपूर्ण - भाजपा

प्रदेश अध्यक्ष साव ने कहा- प्रदेश सरकार के संरक्षण में धर्मांतरण का खेल खुलेआम चल रहा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने कहा है कि धर्मांतरण कराने वाले लोग छत्तीसगढ़ में जिस तरह से हिंसा पर उतारू हो गए हैं हिंसा का सहारा ले रहे हैं, वह अत्यंत चिंताजनक और दुर्भाग्यपूर्ण है। साव ने कहा कि राज्य सरकार के संरक्षण में प्रदेश में धर्मांतरण का खेल खुलेआम चल रहा है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष साव ने कहा कि धर्मांतरण कराने वाले लोगों ने नारायणपुर के बाद अब बस्तर के परपा थानांतर्गत ग्राम भेजरीपदर में जिस प्रकार से आदिवासी समाज और पुलिस पर हमला किया, वह छत्तीसगढ़ की शांति-व्यवस्था में खलल डालने वाला कृत्य तो है ही, साथ-साथ कानून-व्यवस्था को चुनौती देने का दुस्साहस भी है। साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ को अशांत करने का काम ये धर्मांतरण कराने वाले लोग हिंसा करके कर रहे हैं और ये सब प्रदेश सरकार के शह पर हो रहा है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष साव ने कहा कि राजधानी में संतों की सभा होती है तो मुख्यमंत्री भूपेश बघेल उन पर अनावश्यक टिप्पणी करते हैं, लेकिन अवैध धर्म परिवर्तन कराने व करने वाले लोग संगठित होकर मूल आदिवासियों और पुलिस पर हमले कर रहे हैं और मुख्यमंत्री बघेल चुप हैं! कांग्रेस सरकार की शह पर छत्तीसगढ़ में आदिवासी संस्कृति पर हमले हो रहे हैं और अवैध धर्मांतरण करने वाले आदिवासी क्षेत्र पर अपना शिकंजा कस रहे हैं। यह सुनियोजित षड्यंत्र अब शहरी क्षेत्र को भी अपने चपेट में ले रहा है। उसके बावजूद मुख्यमंत्री बघेल की कांग्रेस सरकार अपने राष्ट्रीय नेतृत्व के सामने अपना नंबर बढ़ाने के लिए धर्मांतरण के इस पूरे आतंक पर चुप्पी साधे बैठी है।

जांच दल गठित की

विगत दिनों बस्तर जिले के भेजरीपदर में घटित घटना को लेकर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री अरूण साव ने एक 06 सदस्यीय जांच समिति का गठन किया है । यह समिति संबंधित स्थानों का शीघ्र दौरा कर इस घटना से संबंधित तथ्यों का अन्वेषण कर अपनी रिपोर्ट पार्टी को सौंपेगी ।

राजनैतिक पुनर्वास के लिये धर्मांतरण का मुद्दा उठा रहे - कांग्रेस

रायपुर। मुद्दाविहीन भाजपा की डूबती राजनीति को बचाने के लिये भाजपा अध्यक्ष अरूण साव एक बार फिर धर्मांतरण का झूठा राग अलाप रहे है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि छत्तीसगढ़ में जबरदस्ती दबावपूर्वक धर्मांतरण जैसी कोई बात है ही नहीं। छत्तीसगढ़ में सभी धर्मावलंबी एक दूसरे के धर्म का पूरा सम्मान करते हुये भाईचारा से रह रहे है। राज्य में जबरिया धर्मांतरण या प्रलोभन देकर धर्मांतरण की बातें आरएसएस और भाजपा का दिमागी फितूर है। छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण विरोधी कानून अविभाजित मध्यप्रदेश के समय से लागू है। प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने स्पष्ट रूप से कहा है कि कही भी जबरिया धर्मांतरण की कोई भी शिकायत आयेगी उस पर कड़ी कार्यवाही की जायेगी। आज तक किसी भी भाजपा आरएसएस के नेता ने प्रदेश के किसी भी थाने में जबरिया धर्मांतरण के खिलाफ न एक रिपोर्ट लिखाई और न किसी पीड़ित को सामने किया। दरअसल भाजपा के पास ऐसा कोई प्रमाण है ही नहीं। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा एक धर्मांतरण की बातें करके बहुसंख्यक वर्ग में भ्रम फैलाकर अपनी राजनैतिक आकांक्षाओं की पूर्ति करना चाहती है। छत्तीसगढ़ में भाजपा के पास जनहित के मुद्दों को उठाने के लिये कोई विषय ही नहीं बचा है। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार हर वर्ग के भले के लिये काम कर रही है। किसान, युवा, आदिवासी महिला, मजदूर किसी की कोई ऐसी समस्या नहीं है, जिस पर जनता का ध्यान खींच सके ऐसे में भाजपा अपने राजनैतिक पुर्नव्यवस्थापन के लिये आरएसएस के साथ मिलकर धर्मांतरण और सांप्रदायिकता का गंदा खेल खेलने का षड्यंत्र कर रही है। बहुसंख्यक वर्ग में धर्म की हानि का भय दिखा कर भाजपा मतों का ध्रुवीकरण करना चाहती है, लेकिन देश की जनता भाजपा के सांप्रदायिक चरित्र को पहचान चुकी है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.